शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 42 | गुवाहाटी | रविवार, 8 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पूरे विश्व में बज रहा भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा का डंका : उप राष्ट्रपति पेज 2
हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन पेज 3
दुनिया में भारत की सशक्त पहचान में उप्र की गुणात्मक भागीदारी : उपराष्ट्रपति पेज 5
पेरिस पैरालिंपिक में इतिहास रच स्वदेश लौटे भारतीय पैरालिंपियन, दिल्ली में भव्य स्वागत पेज 7

एनआरसी नहीं, तो आधार कार्ड भी नहीं

घुसपैठियों को रोकने के लिए राज्य सरकार का बड़ा कदम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अब असम में आधार प्राप्त करने की प्रक्रिया जटिल हो जाएगी। अब असम के वही वयस्क नागरिक आधार कार्ड प्राप्त कर सकेंगे, जिन्होंने (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) एनआरसी की प्रक्रिया के दौरान अपना आवेदन पत्र जमा कराया था। सरकार इस संदर्भ में अगले 10 दिनों के अंदर एक एसओपी जारी करेगी। यह नियम एक अक्तूबर से लागू होगा। मुख्यमंत्री आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में बढ़ते घुसपैठ की संख्या के मद्देनजर नजर यह निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा असम सरकार को यह अधिकार दिया गया है कि असम सरकार के अनुमोदन के बिना कोई आधार कार्ड प्राप्त नहीं कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने एनआरसी के लिए आवेदन पत्र दाखिल किया था, उन्हें आधार कार्ड दिया जाएगा। लेकिन, जिन लोगों ने आवेदन किया ही नहीं था, वे आधार कार्ड प्राप्त करने से वंचित रह जाएंगे। क्योंकि, इससे जाहिर होता है कि 2014 के बाद वे असम में आए हैं। हालांकि, यह नियम अवयस्क आधार आवेदकों पर लागू नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के धुबड़ी, बरपेटा मोरीगांव, नगांव आदि जिलों में 103 फीसदी से अधिक लोगों ने आधार कार्ड प्राप्त किया है। ऐसे में सरकार विषय को गंभीरतापूर्वक लेने के लिए विवश हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कोई भी विदेशी नागरिक असम में आकर आधार प्राप्त नहीं कर सके, इसे सुनिश्चित करने की कोशिशें की जा रही है। आधार के हर आवेदन का अनुमोदन जिला आयुक्त कार्यालय को करना होगा। हालांकि, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चाय बागान इलाकों में फिलहाल इसे लागू नहीं किया जाएगा। क्योंकि, तकनीकी कारणों की वजह से चाय बागान के लोगों को आधार कार्ड की सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। संवाददाता सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के कर्मचारियों का 10 लाख रुपये के जीवन बीमा तथा एक करोड़ रुपए के एक्सीडेंटल इंश्योरेंस की भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखीमपुर में हुई कैबिनेट की पिछली बैठक में यह निर्णय लिया गया था। सरकारी कर्मचारी जिन बैंकों के जरिए अपना वेतन प्राप्त करते हैं, उन बैंकों द्वारा उन्हें इस इंश्योरेंस की सुविधा दी जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी घोषित होने के बाद फरार लोगों को पकड़ने का निर्देश

गुवाहाटी। असम सरकार ने शनिवार को अपनी सीमा पुलिस को निर्देश दिया कि वह विदेशी न्यायाधिकरणों द्वारा विदेशी घोषित किए जाने के बाद फरार हुए लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए निरंतर प्रयास शुरू करे। इस सप्ताह के शुरू में, न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किये जाने के बाद, बरपेटा जिले से नौ महिलाओं सहित 28 लोगों को ग्वालपाड़ा के एक ट्रांजिट शिविर में स्थानांतरित कर दिया गया था। खबरों के अनुसार, बरपेटा के पुलिस अधीक्षक सुशांत विश्व शर्मा ने कहा कि विदेशी न्यायाधिकरण ने उचित सुनवाई के बाद इन लोगों को विदेशी घोषित किया है। इसके आदेश के अनुसार, हमने इन विदेशी नागरिकों को शिविर में स्थानांतरित कर दिया। विदेशी न्यायाधिकरण अर्ध-न्यायिक निकाय हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि विदेशी होने का संदेह रखने वाला व्यक्ति वास्तव में भारतीय नागरिक है या नहीं। असम देश का एकमात्र राज्य है जहां ये न्यायाधिकरण हैं। असम के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से बाहर रखे गए लोग या जिनकी नागरिकता को *संदिग्ध* माना गया है, वे न्यायाधिकरणों -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में थानों को और अधिक जन-केंद्रित बनाने की जरूरत : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में उग्रवाद से जुड़ी घटनाओं में कमी आने के साथ ही थानों को अधिक जन-केंद्रित स्थानों में तब्दील करना होगा। शर्मा ने सार्वजनिक सेवा की जिम्मेदारियों में पुलिसकर्मियों की सहायता के लिए नागरिक समितियों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशक से असम उग्रवाद से जूझ रहा है। पुलिस का ध्यान उग्रवाद-रोधी उपायों पर केंद्रित था। मैं यह नहीं कहूंगा कि उग्रवाद पूरी तरह से खत्म हो गया है, लेकिन घटनाएं कम हो रही हैं। थानों को अधिक जन-केंद्रित स्थानों में बदलना होगा। मुख्यमंत्री राज्य के सभी 307 थानों की नागरिक समितियों के पहले राज्य-स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की ड्यूटी की लंबी और कठिन प्रकृति उन्हें उनके नियमित व्यवहार में कठोर बनाती है। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

जिरीबाम में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों का फिर हमला, दो की मौत

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के जिरीबाम जिले के ग्राम नुंगचप्पी में शनिवार तड़के संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के हमले में 63 वर्षीय युरेम्बम कुलेंद्र सिंह की मौत हो गई। लगभग उसी समय जिरीबाम के डिबोंग खुनु रशीदपुर गांव में हिंसा की एक अलग घटना में 41 वर्षीय बासपतिमयुम लक्खी कुमार शर्मा की मौत हो गई। मणिपुर के आईजीपी (इंटेलिजेंस) के. कबीब ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एक सितंबर से कुकी उग्रवादियों ने लगातार ड्रोन हमले किए हैं। इससे विभिन्न क्षेत्रों में जनहानि और अशांति हुई है। इसके मद्देनजर मणिपुर पुलिस ने ड्रोन से उत्पन्न खतरे को बेअसर करने के लिए एक उन्नत एंटी-ड्रोन प्रणाली तैनात की है। इसका उद्देश्य राज्य को उग्रवादियों के अत्याधुनिक हमलों से बचाना है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले की सीबीआई जांच करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि सरकार राज्य में उजागर हुए अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले की सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी, अगर बाद में इसकी जरूरत पड़ी। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि अब तक 59 गिरफ्तारियां की गई हैं, 22 लुक-आउट सर्कुलर जारी किए गए हैं और घोटाले के संबंध में 14 विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाए गए हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि राज्य में कई ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म सेबी या आरबीआई के दिशा-निर्देशों का पालन किए बिना काम कर रही थीं, जिससे निवेशकों को काफी नुकसान हुआ। इन फर्मों में शामिल कई व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य अभी भी फरार हैं। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि असम पुलिस ने अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग के मामलों की निगरानी के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। प्रवर्तन निदेशालय और आयकर को विश्वास में लिया गया है। जिला स्तर पर जिला पुलिस इसे -शेष पृष्ठ दो पर

धारा 6 की सिफारिश : असम कांग्रेस ने राज्य मंत्रिमंडल के अधिकार पर सवाल उठाए

डिब्रूगढ़। असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने असम समझौते के खंड छह पर न्यायमूर्ति बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों को लागू करने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले पर शनिवार को सवाल उठाया और दावा किया कि इन सुझावों पर कार्रवाई करने का अधिकार केवल केंद्र के पास है। बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि पिछली कांग्रेस सरकार ने छह समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने में बाधा डाली थी। असम समझौते के खंड 6 में कहा गया है कि असमिया लोगों की सांस्कृतिक, सामाजिक और भाषाई पहचान और विरासत की रक्षा के लिए उचित संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बोरा ने कहा कि लखीमपुर में पिछली कैबिनेट बैठक के बाद, सीएम ने मीडिया को बताया कि उन्होंने बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों के 57 खंडों को लागू करने का फैसला किया है। हमें यह भी पता नहीं है कि वे 10 खंड कौन से हैं जिन्हें बाहर रखा गया है। उन्होंने कैबिनेट के फैसले के समय पर सवाल उठाया और कहा कि समिति का गठन 2019 में किया गया था और फरवरी 2020 में रिपोर्ट सौंपी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जैसे एक सूखा पेड़ आग लगने पे पुरे जंगल को जला देता है। उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पुरे परिवार को खत्म कर देता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

पूजा खेडकर भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से बर्खास्त कर दिया। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 6 सितंबर के आदेश के तहत, केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

सुनीता विलियम्स रह गईं अंतरिक्ष में, स्टारलाइनर लौटा

वाशिंगटन (हि.स.)। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विलमोर को स्पेस स्टेशन ले जाने वाला स्पेस क्राफ्ट स्टारलाइनर-1 शनिवार को तीन महीने बाद धरती पर लौट आया। वह सुरक्षित लैंड हो गया। यह स्पेस क्राफ्ट भारतीय समयानुसार तड़के 3:30 बजे पहुंचा। यह न्यू मैक्सिको के व्हॉइट सैंड स्पेस हॉर्बर (रेगिस्तान) में सुरक्षित लैंड हुआ। अमेरिकी-भारतीय नागरिक सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में ही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा बताया कि स्पेस क्राफ्ट ने सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव बाद जम्मू-कश्मीर को दिया जाएगा पूर्ण राज्य का दर्जा : अमित शाह

जम्मू (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पलौड़ा टाप में जनसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज और संविधान के तहत यह पहला चुनाव है। शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे। उन्होंने कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन पर पुरानी व्यवस्था को पुनर्जीवित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार आतंकवाद, स्वायत्तता -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे भारत ट्रेन चलाने के लिए लोको पायलट के बीच हो गई मारामारी

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर से आगरा के बीच शुरू हुई नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को लेकर एक बार फिर विवाद पैदा हो गया है। कोटा और आगरा रेल मंडलों के कार्मिकों के बीच ट्रेन संचालन को लेकर झगड़ा हो गया, जिसमें चालक, सह चालक और गार्ड के साथ हाथापाई हुई, और उनके कपड़े तक फाड़ दिए गए। इस झगड़े में गार्ड रूम का दरवाजा और खिड़कियों के कांच भी तोड़ दिए -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश की अशांति का भारत को मिल रहा लाभ, कपड़ा सेक्टर में ऑर्डरों की आई बाढ़

ढाका। बांग्लादेश में अशांति के कारण यहां की रेडीमेड गारमेंट फैक्टरियों के वैश्विक कपड़ा ब्रांडों ने अपने ऑर्डर भारत की ओर शिफ्ट कर दिए हैं। यह अशांति बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद शुरू हुई है। श्रमिक संगठन और फैक्ट्री मालिकों का आरोप है कि बाहरी तत्वों ने इसे उकसाया है, जिससे फैक्टरियों को बंद करने और संचालन निलंबित करने की नौबत आई है। कई फैक्टरियां पिछले चार दिनों से बंद हैं, और इससे उद्योग पर गंभीर असर पड़ा है। खबरों के अनुसार, तिरुपुर, तमिलनाडु का कपड़ा निर्यात केंद्र, बांग्लादेश से 4.50 अरब रुपये के ऑर्डर प्राप्त कर चुका है। जर्मनी की कीक, नीदरलैंड्स की जीमन, और पोलैंड की पीपको जैसे प्रमुख वैश्विक ब्रांड्स ने क्रिसमस और नए साल के लिए ऑर्डर दिए हैं। इन ऑर्डरों की औसत कीमत 3 डॉलर -शेष पृष्ठ दो पर

कारगिल युद्ध में था पाकिस्तानी सेना का हाथ

25 साल बाद चीफ जनरल ने कबूली बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने आधिकारिक रूप से पहली बार कबूल किया है कि 1999 के कारगिल युद्ध में उसकी भागीदारी थी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। पाक का यह कबूलनामा 25 साल बाद आया है। शुक्रवार (6 सितंबर) को रक्षा दिवस के मौके पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने करगिल में पाक सेना के जवानों की मौत की बात स्वीकार की। हालांकि, अभी तक पाकिस्तान के किसी भी सेना प्रमुख चाहे लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) शाहिद अजीज और पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने करगिल युद्ध में पाकिस्तान के शामिल होने की बात मानी थी। इसके अलावा 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान पाक सेना प्रमुख जनरल रहे परवेज मुशर्रफ ने खुद कई बार इस बात को स्वीकार किया है। जनरल मुनीर ने कहा कि पाकिस्तानी समुदाय बहादुरों का समुदाय है। जो स्वतंत्रता के महत्व और इसके लिए भुगतान करने के तरीके को समझता है। चाहे वह 1948, 1965, 1971 हो या 1999 का करगिल युद्ध, हजारों सैनिकों ने देश और इस्लाम के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। इसे पाकिस्तानी सेना का पिछले 25 साल में पहला कबूलनामा माना जा रहा है। हालांकि, इससे पहले पाकिस्तानी सेना के किसी भी जनरल ने पद पर रहते हुए कारगिल युद्ध को लेकर ऐसा स्पष्ट बयान नहीं दिया था। अब तक पाकिस्तान सन 1999 के युद्ध में अपनी संलिप्तता से इनकार करता रहा था और दावा करता रहा था कि यह कश्मीर के *स्वतंत्रता सेनानियों* द्वारा की गई कार्रवाई थी। पूर्व सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने हमेशा दावा किया कि कारगिल अभियान एक सफल स्थानीय कार्रवाई थी। एक इंटरव्यू के दौरान मुशर्रफ ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पूरे विश्व में बज रहा भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा का डंका : उप राष्ट्रपति

चित्रकूट (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चित्रकूट स्थित जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय में *आधुनिक जीवन में ऋषि परंपरा* विषयक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ऋषि परंपरा का देश है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस परंपरा को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी हथियार से युद्ध नहीं जीता जा सकता। हमारा देश ऋषि परंपरा की वजह से ही आज विश्वगुरु की श्रेणी में खड़ा हुआ है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि आज विपक्षी लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों के चलते देश की ऋषि परंपरा को नजरअंदाज कर रहे हैं जो किसी मायने में उचित प्रतीत नहीं हो रहा है। ऋषि परंपरा के बल पर ही भारत जल, थल, नभ हर क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहा है। हमारे देश की परंपरा वसुधैव कुटुंबकम् की रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं है। आज भी चारों तरफ नजर दौड़ाएं तो ऋषि परंपरा का सम्मान हमारे देश में ही है। सांस्कृतिक विरासत का धनी देश भारत हमेशा अतुलनीय रहा है। ऋषि परंपरा के मूल सिद्धांतों को अपनाकर चलना आज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट में आयोजित यह संगोष्ठी निश्चित रूप से हम सबको एक नई दिशा देने वाली साबित होगी। क्योंकि यह संगोष्ठी एक महान ऋषि पद्मविभूषण से अलंकृत जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज जी की उपस्थिति में आयोजित हो रही है। उपराष्ट्रपति ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को दिल्ली में नवनिर्मित उप राष्ट्रपति भवन पर एक दिवसीय प्रवास का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई अपने यहां किसी मनीषी संत को बुलाता है तो सपत्नीक आना होता है। उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए आज यहां सपत्नीक आए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें बड़ा भाई मानती हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी उनके मित्र हैं और उप राष्ट्रपति धनखड़ उनके भाई हैं। कार्यक्रम में जगद्गुरू के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास महाराज, प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्त, नरेंद्र कश्यप और अनिल राजभर, कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

No. DME/UG/17/2024/535433/10

EDUCATIONAL NOTICE

2ND ROUND ONLINE COUNSELLING FOR ADMISSION INTO 1ST YEAR MBBS/BDS COURSES IN THE GOVERNMENT MEDICAL & DENTAL COLLEGES OF ASSAM, FOR THE SESSION 2024

This is for information of all concerned that the 2nd round Online Counselling for Admission into the vacant MBBS/BDS seats in the Government Medical and Dental Colleges of Assam for the session 2024 under State quota seats, IS going to be held under this Directorate. Candidates who have qualified in the National Eligibility cum Entrance Test (NEET-UG-2024) conducted by National Testing Agency (NTA) may participate in the Online counselling provided they fulfill all eligibility criteria mentioned in the Medical Colleges and Dental Colleges of Assam, (Regulation of Admission into 1st year MBBS/BDS courses) Rules, 2017 amended upto 2024, as well as meet the cut-off score in NEET-UG-2024.

Online Portal for the counselling will be available at the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in from 11/09/2024 to 13/09/2024 (11:55 PM). The candidates who have already registered and participated in Round 1 state counselling need not register again and shall be able to take part in the Online choice filling of 2nd Round of Counselling for fresh allotment or change of College. After completion of Online Registration process, Online Filling of Choice will be available from 14/09/2024 to 17/09/2024 (10:00 PM), Locking of choice will be available on 17/09/2024 (5 PM to 11:59 PM), after which the choice will be locked automatically if not locked earlier by the candidate. Processing of seat allotment will be from 18/09/2024 to 19/09/2024. After processing the data, the result will be displayed along with modalities of admission on 20/09/2024. The provisionally selected candidates shall have to get admitted in the respective allotted institutions as directed between 25/09/2024 to 26/09/2024.

SI. No.	Schedule	Date
1	Online Registration	11/09/2024 to 13/09/2024 (11:55 PM)
2	Online filling of Choice	14/09/2024 to 17/09/2024 (10:00 PM)
3	Online Locking of Choice	17/09/2024 (5 PM to 11:59 PM)
4	Processing of Seat Allotment	18/09/2024 to 19/09/2024
5	Result	20/09/2024
6	Reporting/Joining	25/09/2024 to 26/09/2024

Candidates are directed to visit the official website of this Directorate www.dme.assam.gov.in regularly for updates

Sd/-
Prof.
Director of Medical Education, Assam

-- Janasanyog /D/5303/24/8-Sep-24

सिपाझाड़ में पुलिस हिरासत से दो आरोपी फरार

दरंग (हिंस)। सिपाझाड़ पुलिस हिरासत से दो कैदी फरार हो गए। ज्ञात हो कि बीती रात दोनों बाइक चोरी के आरोपियों निर्मल डेका और नयन डेका को सिपाझाड़ गांव के लोगों ने पकड़कर सिपाझाड़ पुलिस के हवाले किया था। दोनों पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। दोनों के थाने से भागने को लेकर ग्रामीणों में पुलिस के प्रति आक्रोश है। इस बीच, पुलिस ने दो अन्य लोगों तिलेश्वर डेका और उसके बेटे बुलेन को गिरफ्तार किया है।

पूसीरे करेगा पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने आगामी पूजा सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए तीन जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। पूजा स्पेशल ट्रेनें कटिहार-अमृतसर-कटिहार, रंगापाड़ा नॉर्थ-प्रयागराज जंक्शन-रंगापाड़ा नॉर्थ और नारंगी-गोरखपुर-नारंगी के बीच चलेंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शनिवार को बताया कि चालू वर्ष के 18 सितंबर से 27 नवंबर तक 11 फेरों के लिए प्रत्येक बुधवार को फेस्टिव स्पेशल ट्रेन संख्या 05736 (कटिहार-अमृतसर) कटिहार से 21 बजे प्रस्थान कर शुक्रवार को अमृतसर 09:45 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में 20 सितंबर से 29 नवंबर तक 11 फेरों के लिए प्रत्येक शुक्रवार को फेस्टिव स्पेशल ट्रेन संख्या 05735 (अमृतसर-कटिहार) अमृतसर से 13:25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन कटिहार 23:45 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन अपनी दोनों तरफ की यात्रा के दौरान अररिया कोर्ट, फारबिसगंज, दरभंगा जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बरेली, रूड़की और जलंधर सिटी स्टेशनों से होकर चलेगी। इसी तरह 29 सितंबर से 01 दिसंबर तक प्रत्येक रविवार को फेस्टिव स्पेशल ट्रेन संख्या 05831 (रंगापाड़ा नॉर्थ- प्रयागराज जंक्शन) रंगापाड़ा नॉर्थ से 09 बजे रवाना होकर अगले दिन प्रयागराज जंक्शन 12:40 बजे पहुंचेगी। वापसी में 30 सितंबर से 02 दिसंबर तक प्रत्येक सोमवार को फेस्टिव स्पेशल ट्रेन संख्या 05832 (प्रयागराज जंक्शन- रंगापाड़ा नॉर्थ) प्रयागराज जंक्शन से 17:40 बजे रवाना होकर अगले दिन रंगापाड़ा नॉर्थ 22:50 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन दस-दस फेरों के लिए चलेगी।

मरियानी में जंगली हाथियों के हमले में एक की मौत

जोरहाट (हिंस)। मरियानी में जंगली हाथियों के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना शनिवार सुबह डकलंगिया के कलियापानी चाय बागान में हुई। मृतक की पहचान गन मुंडा (35) के रूप में हुई है। यह घटना तब हुई जब भोजन की तलाश में गिवन अभयारण्य से निकले जंगली हाथियों के झुंड का पीछा किया जा रहा था।

पृष्ठ एक का शेष

एनआरसी नहीं, तो ...

के कई अन्य प्रश्नों के भी उत्तर दिए। उधर मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 अक्तूबर से आधार कार्ड के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति को अपने आवेदन के साथ राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) आवेदन संख्या भी देनी होगी। यह निर्देश चाय बागान क्षेत्रों को छोड़कर सभी जिलों में लागू होगा। शर्मा ने यह भी बताया कि सरकार अगले 10 दिनों के भीतर नई सत्यापन प्रक्रिया के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करेगी। उन्होंने कहा कि 2014 में एनआरसी प्रक्रिया शुरू होने के बाद से विदेशी नागरिकों की पहचान रुकी हुई है। अब हमारा लक्ष्य इस प्रयास को और तेज करना है क्योंकि हमने एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण अवैध घुसपैठ देखी है। इसलिए, हम अपनी दूसरी रक्षा पंक्ति को मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे बताया कि केंद्र ने अब यह जिम्मेदारी राज्य सरकार पर डाल दी है और आधार कार्ड केवल संबंधित जिला आयुक्तों (डीसी) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के बाद ही जारी किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि हमने पाया है कि विदेशी नागरिक असमिया के रूप में अपनी पहचान साबित करने के लिए अन्य दस्तावेज हासिल करने के लिए आधार का उपयोग करते हैं। इसलिए, हम अवैध आवेदकों को रोकने के लिए आधार सत्यापन प्रक्रिया को और अधिक सख्त बनाएंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस नई सत्यापन प्रक्रिया से उन 9.35 लाख व्यक्तियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिन्हें पहले आधार कार्ड प्राप्त करने से बाहर रखा गया था। इन व्यक्तियों को अगले *एक या दो दिन* के भीतर निर्धारित आधार केंद्रों से उनके कार्ड प्राप्त हो जाएंगे।

विदेशी घोषित होने के...

में अपील कर सकते हैं। शनिवार को असम पुलिस सीमा संगठन को भेजे गए नोटिस में गृह विभाग ने राज्य की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर अवैध प्रवासियों की आवाजाही का पता लगाने और उन पर अंकुश लगाने के लिए निवारक और एहतियाती उपायों के कार्यान्वयन का भी निर्देश दिया। मालूम हो कि असम की सीमा भूटान और बांग्लादेश से लगती है। नोटिस में यह भी दावा किया गया है कि हालिया रिपोर्टों से पता चला है कि राज्य में *अवैध प्रवासियों की संख्या में वृद्धि* हुई है। इसमें कहा गया है कि जनवरी से असम में 54 *अवैध अप्रवासियों* की पहचान की गई है, जिनमें से 45 को निर्वासित किया गया जबकि नौ को करीमगंज में गिरफ्तार किया गया। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा, राज्य के कुछ इलाकों, खास तौर पर ऊपरी असम और उत्तरी असम जिलों में संदिग्ध गैर-भारतीय नागरिकों और विदेशी मूल के व्यक्तियों के होने की खबरें मिली हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरे को देखते हुए ऐसे व्यक्तियों का पता लगाना महत्वपूर्ण है। नोटिस में सीमा निगरानी को मजबूत करने, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय बढ़ाने, खुफिया जानकारी जुटाने के साधनों में सुधार लाने और नागरिकता संशोधन अधिनियम के प्रवर्तन में तेजी लाने जैसे उपायों के कार्यान्वयन का निर्देश दिया गया। यह विवादास्पद कानून बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मुसलमानों को छोड़कर छह अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का त्वरित मार्ग प्रदान करता है, बशर्ते कि वे भारत में छह वर्षों तक रहे हों और 31 दिसंबर, 2014 से पहले देश में प्रवेश किए हों। एक रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को बाद में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य में आधार आवेदकों को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के लिए अपने आवेदन की रसीद संख्या प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। असम ने 31 अगस्त, 2019 को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर प्रकाशित किया, ताकि राज्य में रहने वाले गैर-दस्तावेज प्रवासियों से भारतीय नागरिकों को अलग किया जा सके। निवासियों को सूची में शामिल होने के लिए यह साबित करना था कि वे या उनके पूर्वज 24 मार्च, 1971 की मध्यरात्रि से पहले असम में प्रवेश कर चुके थे। 19 लाख से अधिक व्यक्ति या 5.77 प्रतिशत आवेदक अंतिम सूची से बाहर रह गए।

राज्य में थानों को ...

कि नागरिक समितियों की भूमिका कर्मियों को नागरिक कार्यों में संलग्न होने में मदद करने से तनाव भी कुछ कम हो सकता है। शर्मा ने कहा कि समाज के भीतर पैदा सकारात्मकता *धीमे, लेकिन स्थायी* सामाजिक परिवर्तन का कारक हो सकती है और समितियां पुलिस बल को सौंपी गई सार्वजनिक सेवा जिम्मेदारियों के निर्वहन में मदद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था के दो पहलू हैं- आपराधिक न्याय का प्रशासन और सार्वजनिक सेवा। पहले पहलू को भारतीय न्याय संहिता द्वारा निपटा जा सकता है। आपराधिक न्याय, आपराधिक जांच, आरोप-पत्र दाखिल करना, पहले पहलू में शामिल हैं, समितियों का इस संबंध में कोई लेना-देना नहीं है। शर्मा ने कहा कि उन्हें (समितियों को) थानों और जनता के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि थाने मेले एवं त्योहार आयोजित करने की अनुमति देने, अपने अधिकार क्षेत्र के तहत निवासियों को विभिन्न प्रमाण-पत्र जारी करने जैसी कई जिम्मेदारियां निभाते हैं तथा समितियां ऐसी सेवाओं के त्वरित निपटान में सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि अपराध दर में कमी आ रही है। जिन मामलों में फॉरेंसिक राय की जरूरत नहीं है, उनमें आरोप-पत्र समय पर दाखिल किए जा रहे हैं। हम अपने फॉरेंसिक साइंस इकाई में भी सुधार कर रहे हैं, ताकि ऐसे मामलों में भी आरोप-पत्र तीन महीने के भीतर दाखिल किए जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नयी समितियां अक्तूबर से काम करना शुरू कर देंगी और 12-सदस्यीय समितियां जनता एवं पुलिस के बीच सेतु का काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

जिरीबाम में संदिग्ध ...

बताया कि शुक्रवार दोपहर कुकी उग्रवादियों ने बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों के बीच आबादी वाले इलाके में दो रॉकेट दागे। इस हमले में आरके रबेई (78) की मौत हो गई। इसके अलावा एक नाबालिग समेत छह लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद सशस्त्र पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा बल जिले की पहाड़ी क्षेत्र के लिए रवाना हुए। जब बिष्णुपुर के पुलिस अधीक्षक एक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तो संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं। हालांकि, जैसे ही पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की उग्रवादी भाग खड़े हुए। इस बीच, हवाई क्षेत्र में गश्त के लिए सैन्य हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया है। सुरक्षा बलों ने कुल तीन बंकरों को नष्ट कर दिया, जिनमें से दो मुआलसांग गांव में और एक चुराचांदपुर के लाइका मुआलसाउ गांव में था। के कबीब ने बताया कि एक अन्य घटना में शुक्रवार (6 सितंबर) शाम बदमाशों की भीड़ ने खाबेइसोई में एमआर नंबर 7 और इंफाल में एमआर नंबर 2 से हथियार लूटने की कोशिश की लेकिन संयुक्त सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस गोले दागे और गोलियां चलाईं। उपद्रवियों द्वारा इस्तेमाल किए गए कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, भीड़ के उत्पात में दो पुलिसकर्मी ओसी-सीडीओ/आईई इंस्पेक्टर के हेनरी और कांस्टेबल इस्साक गैंगमेई घायल हो गए। उन्हें शिजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आईजीपी कबीब ने कहा कि सुरक्षा बनाए रखने के लिए व्यापक उपाय किए गए हैं, जिनमें ड्रोन विरोधी उपाय, सैन्य निगरानी और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बलों की तैनाती शामिल है। आगे के हमलों से बचने के लिए पहाड़ियों और घाटियों दोनों में संदिग्ध उग्रवादी ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है। सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के महत्व पर जोर देने के अलावा उन्होंने कहा कि हिंसा भड़काने वालों पर नजर रखने के लिए एक निगरानी सेल का गठन किया गया है। संयुक्त सुरक्षा बलों ने लोइबल खुल्न और तिनकई खुल्न के बीच लोइचिंग रेंज, बिष्णुपुर-कांगपोकपी सीमा क्षेत्र में सफल अभियान चलाया और उग्रवादियों द्वारा इस्तेमाल किए गए कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग...

संभाल रही है और मुख्यालय स्तर पर सीआईडी इससे निपट रही है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो असम सरकार सीबीआई जांच की भी सिफारिश करेगी। यह पूछे जाने पर कि कुछ कथित सरगना अब तक पुलिस के जाल से कैसे बच रहे हैं, सीएम ने जवाब दिया कि कोई भी लंबे समय तक पुलिस से बच नहीं सकता। इस बीच, डीजीपी जीपी सिंह ने एक्स पर कई पोस्ट में कहा कि 14 जिलों में अनियमित जमा योजनाओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई है, जिसके चलते 28 मामले दर्ज किए गए हैं और 59 गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग नोटिस के बावजूद जांच में शामिल नहीं हुए हैं, उनके खिलाफ 22 लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) शुरू किए गए हैं। ये मामले अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम 2019 और भारतीय न्याय संहिता की उचित धाराओं के तहत दर्ज किए गए हैं। सिंह ने कहा कि अनियमित जमा योजना अधिनियम के संबंध में दर्ज मामलों की उचित जांच के लिए 14 एसआईटी का गठन किया गया है, जो @AssamCid मुख्यालय में एडीजीपी और आईजीपी सीआईडी में पर्यवेक्षण और निगरानी समूह को रिपोर्ट करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि एक प्रमुख घोटाले में मुख्य आरोपी के खिलाफ डिब्रूगढ़ पुलिस स्टेशन में दर्ज मामला पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया है, साथ ही सीआईडी को मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने का निर्देश दिया गया है। डीजीपी ने यह भी कहा कि इन योजनाओं में शामिल होने के लिए दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि असम सीआईडी के लांस नायक सरोज डेका, जो अनियमित जमा योजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल पाए गए हैं, को आज भारत के संविधान के अनुच्छेद 311(2)(बी) और असम सेवा (अनुशासन और अपील) नियम 1964 के नियम 10(टू) के तहत सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सिंह ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि अनियमित जमा योजनाओं में शामिल कुछ व्यक्तियों के साथ अनुचित निकटता के आरोपों और विभागीय कार्यवाही लंबित होने के मद्देनजर गोलाघाट डीईएफ के गोलाघाट पीएस के इंस्पेक्टर जीतूमोनी डेका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

धारा 6 की सिफारिश...

गई थी। इतने लंबे समय तक धूल जमने के बाद, अचानक सरकार इसके बारे में बात कर रही है। बोरा ने कहा कि सिफारिशों को लागू करने का निर्णय कांग्रेस, विभिन्न संगठनों और यहां तक कि अल्फा और *परिवार के भ्रष्टाचार* की रिपोर्टों सहित विभिन्न तिमाहियों से बढ़ते राजनीतिक दबाव को दूर करने के लिए लिया गया था, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने किसके परिवार का उल्लेख किया था। उन्होंने समिति की रिपोर्ट पर निर्णय लेने के लिए कैबिनेट के अधिकार पर भी संदेह जताया और कहा कि केंद्र ने समिति बनाई थी। जब तक केंद्रीय मंत्रिमंडल इस पर चर्चा करके निर्णय नहीं ले लेता, हमें नहीं लगता कि राज्य मंत्रिमंडल का कोई भी निर्णय सार्थक होगा। बोरा ने यह भी दावा किया कि असम समझौते के खंड 6 और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लागू करना एक दूसरे के विरोधाभासी हैं क्योंकि समझौते में प्रावधान राज्य के स्वदेशी लोगों को सुरक्षा देने का है, जबकि सीएए *इसके लिए एक चुनौती* है। उन्होंने शर्मा के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि राज्य के छह समुदाय जो एसटी का दर्जा मांग रहे हैं, उन्हें तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा केंद्र को भेजे गए प्रस्ताव में समस्याओं के कारण यह दर्जा देने से इनकार कर दिया गया है। प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद लोकसभा सांसद प्रद्युत बरदलै ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार ने प्रस्ताव भेजा था, तब हमारे मौजूदा मुख्यमंत्री कैबिनेट में मेरे सहयोगी थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का प्रस्ताव स्पष्ट था कि उसे छह समुदायों को एसटी का दर्जा देने में कोई समस्या नहीं है, क्योंकि इससे एसटी के रूप में पहले से अधिसूचित समुदायों को मिलने वाले लाभों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुनीता विलियम्स रह ...

किया। इसके बाद इसकी गति करीब 2,735 किलोमीटर हो गई। लैंड होने से ठीक तीन मिनट पहले ही सुरक्षा के लिए स्पेस क्राफ्ट के तीन पैराशूट भी खुल गए। बोइंग कंपनी ने नासा के लिए यह स्पेसक्राफ्ट बनाया है। पांच जून को सुनीता और बुच को इससे भेजा गया था। यह सिर्फ आठ दिन का मिशन था। तकनीकी खराबी की वजह से इसमें समय लगा तकनीकी कारणों की जांच की जाएगी। स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी दिक्कतों और हीलियम गैस के रिसाव की जानकारी सामने आई थी। नासा ने 24 अगस्त को बताया था कि स्टारलाइनर में सेफ्टी इश्यूज की वजह से बुच और सुनीता को इससे वापस धरती पर नहीं लाया जाएगा। स्पेसक्राफ्ट खाली ही वापस लौटेगा। सुनीता और बुच को एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स के क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाया जाएगा। अमेरिकी संचार माध्यमों की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टारलाइनर की वापसी और इससे जुड़े ताजा अपडेट को लेकर नासा ने सुबह 11 बजे प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें बोइंग का कोई प्रतिनिधि नहीं था। नासा के मैनेजर स्टीव स्टिच ने कहा कि स्टारलाइनर ने अच्छे तरीके से लैंडिंग की है। हमने इसे जांच के लिए भेजा है। हम जल्द ही बताएंगे कि स्पेस क्राफ्ट में किस वजह से खराबी आई। नासा और बोइंग के बीच भले ही दिक्कतें चल रही हैं लेकिन दोनों मिलकर स्टारलाइनर की जांच करेंगी। स्टारलाइनर की सेफ लैंडिंग के बाद स्पेस स्टेशन में मौजूद सुनीता विलियम्स ने खुशी जताई। उन्होंने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि आप लोग बेहतरीन हैं। लैंडिंग कमांडर लौरेन ब्रेंकी ने सोशल मीडिया पर लिखा है स्टारलाइनर सुरक्षित घर लौट आया। इसने क्या शानदार लैंडिंग की।

चुनाव बाद जम्मू-कश्मीर...

और गुज्जर, पहाड़ी, बकरवाल और दलितों सहित किसी भी समुदाय के साथ अन्याय की अनुमति नहीं देगी, जिन्हें भाजपा सरकार द्वारा आरक्षण दिया गया था। अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी से एक बात कहना चाहता हूं कि आप चाहे जितनी कोशिश कर लें हम गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और दलितों के आरक्षण को छूने नहीं देंगे और जब तक शांति नहीं होगी पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। रैली में अमित शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। जब से देश आजाद हुआ है पहली बार जम्मू-कश्मीर का मतदाता दो झंडे नहीं, एक तिरंगे के नीचे अपना मतदान करेगा। पहली बार दो संविधान नहीं भारत के संविधान (जिसको बाबा साहेब अंबेडकर ने बनाया) के अंतर्गत मतदान होने जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने घर-घर जाकर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस विभाजनकारी एजेंडे के प्रति लोगों को जागरूक किया है। मैंने एक प्रेस वार्ता कर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर किया था, लेकिन आज मैं आप सब के सामने आया हूं, क्योंकि मैं मीडिया से ज्यादा भरोसा आप पर करता हूं, क्योंकि मैं भी आप में से एक हूं और मैं भी बूथ अध्यक्ष रहा हूं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 हटने से 70 साल के बाद जम्मू-कश्मीर की माताओं-बहनों को अधिकार मिला है। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी ये अधिकार छीनना चाहती है लेकिन मुझे पता है कि आप ये अधिकार नहीं छीनने देंगे। नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस पार्टी पत्थरबाजी व आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छोड़ना चाहती है ताकि जम्मू, पुंछ, राजौरी जैसे क्षेत्र जहां शांति है, वहां फिर से आतंकवाद आए। क्या आप इन क्षेत्रों में आतंकवाद को फिर से आने दोगे? उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होना है, जबकि अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्तूबर को होंगे। मतगणना 8 अक्तूबर को होगी।

वंदे भारत ट्रेन चलाने ...

गए। यह विवाद रेलवे बोर्ड तक पहुंच चुका है, लेकिन अभी तक इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया है। इस बीच, ट्रेन के आगरा जाते और वापस आते समय देरी भी हो रही है। वंदे भारत ट्रेन का एक क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग खिड़की से घुसकर ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। आमतौर पर ऐसे वीडियो ट्रेन के सामान्य डिब्बों से निकल कर सामने आते हैं, लेकिन ये वीडियो ट्रेन के चालक के डिब्बे की है। यह पहली बार नहीं है जब वंदे भारत ट्रेन को चलाने को लेकर कोटा और आगरा रेल मंडलों के बीच टकराव हुआ है। 2 सितंबर को जब ट्रेन कोटा से गंगापुर पहुंची, तो आगरा मंडल के चालक इसे आगे ले जाना चाहते थे, जबकि गंगापुर के चालकों ने इसका विरोध किया। इस कारण दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ। आगरा मंडल का कहना है कि चूंकि ट्रेन कोटा मंडल से होकर गुजरती है, इसलिए ट्रेन संचालन को लेकर कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। दोनों मंडलों के कार्मिकों ने इस मामले को लेकर रेलवे अधिकारियों और पुलिस से शिकायत की है। सूत्रों के अनुसार, जब कोई नई ट्रेन शुरू होती है, तो इसके साथ वर्किंग, प्रमोशन और भर्तियों के अवसर भी पैदा होते हैं। अगर ट्रेन कई रेल मंडलों से होकर गुजरती है, तो वर्किंग को लेकर विवाद की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि उदयपुर-आगरा वंदे भारत ट्रेन में भी ऐसा झगड़ा हुआ। इस विवाद में दोनों पक्षों ने ट्रेन को नुकसान पहुंचाया और एक-दूसरे के कपड़े फाड़ दिए। उदयपुर से शुरू होने वाली यह ट्रेन अजमेर मंडल से चलती है, कोटा मंडल से गुजरती है और आगरा मंडल में प्रवेश करती है। परंतु, इस झगड़े का खामियाजा ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

बांग्लादेश की अशांति ...

प्रति पीस है। रेमंड लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गौतम सिंघानिया ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति के बाद कंपनी को *मासिव इंक्वायरीज* मिल रही हैं। सिंघानिया ने बताया कि बांग्लादेश के पास फैब्रिक की क्षमता नहीं है, और फैब्रिक भारत से भेजी जाती है। इस संकट के कारण, रेमंड अब फैब्रिक और गारमेंट दोनों की आपूर्ति कर रहा है, जिससे समय की बचत हो रही है। ग्लोबल डेटा की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता ने उद्योग विशेषज्ञों के बीच चर्चा को बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर चर्चाएं हो रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बांग्लादेश की अशांति भारत के लिए एक अवसर हो सकता है, जिससे भारत की कपड़ा निर्यात बाजार में हिस्सेदारी बढ़ सकती है। हालांकि, कुछ विश्लेषक इसे एक अस्थायी लाभ मानते हैं। प्राशांत नायर ने कहा कि बांग्लादेश की कपड़ा उद्योग की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण, इसे जल्दी ही पुनर्जीवित किया जा सकता है। इस तरह, भारत का लाभ संभवत: अस्थायी हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संकट भारत के कपड़ा उद्योग के लिए एक अवसर हो सकता है, लेकिन बांग्लादेश की क्षमता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश एक प्रमुख कपड़ा निर्यातक है, और यह अपनी उद्योग को जल्दी ही पुनर्जीवित करने की कोशिश करेगा, जिससे भारत के लिए दीर्घकालिक लाभ की संभावना कम हो सकती है।

कारगिल युद्ध में था ...

था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को विश्वास में नहीं लिया गया था और भारत के साथ नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सशस्त्र बलों द्वारा लिए गए कई फैसलों के लिए सेना प्रमुख की मंजूरी की भी जरूरत नहीं थी। हालांकि, मुशर्रफ ने पूरे ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना के 10 कोर एफसीएनए (फोर्स कमांड नॉर्दर्न एरियाज) की भूमिका को स्वीकार किया था। मुशर्रफ ने कहा था कि शुरू में इस इलाके में मुजाहिदीन की गतिविधियां थीं। बाद में एफसीएनए ने एलओसी के 150 मील के खाली इलाके में तैनाती का फैसला किया। इसके लिए किसी से मंजूरी या इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। यह भी एक तथ्य है कि कारगिल से पाकिस्तानी सेना के कई सैनिकों के शव वापस नहीं लाए गए। इसके कारण उनके परिवारों ने पाकिस्तानी सरकार और सेना की शव अपने कब्जे में लेने में अनिच्छा पर सवाल उठाए थे। कारगिल में मारे गए सेना अधिकारी कैप्टन फरहत हसीब के भाई इतरत अब्बास ने कहा कि जो अधिकारी हमसे मिलने आए हम उनसे लगातार अपने प्रियजनों के शव वापस लाने का प्रयास करने के लिए कहते रहे। मेरा मानना है कि उन्हें और अधिक प्रयास करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि कारगिल में पाकिस्तानी सेना के अधिकारी और सैनिक तैनात थे।

पूजा खेडकर भारतीय...

सरकार ने आईएएस (प्रोबेशन) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर, आईएएस प्रोबेशनर (एमएच: 2023) को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि फर्जी पहचान बताकर सिविल सेवा परीक्षा में निर्धारित सीमा से अधिक बार प्रयास करने के आरोप सामने आने के बाद संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 31 जुलाई को सीएसई-2022 के लिए खेडकर की उम्मीदवारी को अनंतिम उम्मीदवारी को रद्द कर दिया था। जांच में पता चला कि उसने अपना नाम, अपने पिता और माता का नाम, अपनी तस्वीर व हस्ताक्षर, अपनी ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर अपनी पहचान बदलकर परीक्षा नियमों के तहत स्वीकार्य सीमा से अधिक प्रयास किए।

हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुआ के बदनी आखिया इलाके में एक युवक की हत्या की घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने आज जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए हत्याकांड में शामिल हत्यारों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तीन सितंबर को मुकालमुआ के बदनी आखिया इलाके में दो परिवार हजरत अली और मोजफ्फर अली के बीच मारपीट हुई थी। मारपीट के दौरान बीच बचाव करने के लिए गांव के ही बाबुल अली के पुत्र अब्दुल अली मौके पर पहुंचा था। इस बीच मारपीट कर रहे लोगों ने धारदार हथियार से अब्दुल अली पर हमला कर दिया। बाद में अब्दुल अली की मौत हो गई। घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी को पुलिस पकड़ नहीं पाई है। जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने शनिवार को जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है।

कर्नाटक पुलिस ने शिवसागर से किया दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। कर्नाटक पुलिस ने शिवसागर में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों जाकिर आलम बोरा और पवन कुमार बरपात्र को गिरफ्तार किया है। कर्नाटक पुलिस की एक टीम शिवसागर पहुंची और दोनों साइबर अपराध के आरोपियों से पूछताछ की। जिसके बाद कर्नाटक पुलिस दोनों को एयरलिफ्ट कर कर्नाटक ले गई। घटना से शिवसागर में सनसनी फैल गई है। दोनों साइबर अपराधियों पर 1.28 करोड़ रुपए की हेराफेरी का आरोप है। मिली शिकायत के अनुसार शिवसागर के युवक जाकिर आलम बोरा ने नगांव के एक व्यक्ति की मदद से शिवसागर स्थित बनमुख निवासी पवन कुमार बरपात्र के नाम से बैंक में खाता खुलवाया। और ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से, कर्नाटक में एक अज्ञात स्रोत से पवन कुमार बरपात्र के बैंक खाते में लगभग 1.28 करोड़ रुपए जमा कराए। इतनी बड़ी रकम पवन कुमार बरपात्र के बैंक खाते में जमा कराने के बाद पवन कुमार बरपात्र को दी गई, जबकि बाकी रकम करीब 90 अलग-अलग बैंक खातों में साइबर अपराधियों ने ट्रांसफर कर दिया। बताया जा रहा है कि यह रकम कर्नाटक के एक डॉक्टर की है। डॉक्टर ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो पुलिस जांच में पूरी घटना का खुलासा हुआ। घटना की जांच के लिए कर्नाटक पुलिस शिवसागर पहुंची और दोनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर बेंगलुरू ले गई।

युवाओं को सशक्त बनाने के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया : ईएम डॉ. स्वर्गियारी

कोकराझाड़। युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए सही उपकरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों की क्षमताएं, ये बोले बीटीसी ईएम डॉ. फुटबॉल में स्वार्जिएरी दर्ज करें और जर्सी वितरण कार्यक्रम 7 सितंबर को बोरोबाजार मॉडल ग्रामीण में आयोजित किया गया रौता निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत लाइब्रेरी ऑडिटोरियम हॉल, कार्यक्रम का उद्देश्य सशक्त बनाना है बीटीआर का युवा और जमीनी स्तर पर खेल विकास को बढ़ावा। डॉ. एएस स्वर्गियारी ने टिप्पणी की कि बीटीआर में हमारे युवाओं में खेलों में उल्लेखनीय क्षमता है ये फुटबॉल और जर्सी उनकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अरे युवा एथलीटों को प्रोत्साहित करने में ऐसी पहल के महत्व को रेखांकित किया उनकी खेल क्षमताओं को बढ़ाना। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि हमारी युवा प्रतिभाओं को आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित करना होगा खेलों में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने की उनकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। डॉ. एएस स्वर्गियारी खेलों को बढ़ावा देने के लिए बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो की प्रतिबद्धता के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया बीटीआर में बुनियादी ढांचे और पूरे क्षेत्र में युवाओं को शामिल करना। वितरण कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं ने भाग लिया और इसका उद्देश्य प्रचार करना था खेल संस्कृति और बोड़ोलैंड के भीतर जमीनी स्तर के खेल विकास को बढ़ावा देना।

पांच सूत्री मांगों को लेकर कोच राजवंशी का धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। असम कोच राजवंशी सम्मिलन के आह्वान पर रंगिया जिला कोच राजवंशी सम्मिलन एवं रंगिया जिला महिला सम्मिलन के सभी सदस्यों ने रंगिया में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कोच राजबंसी के करीब दो सौ लोगों ने रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के सामने धरना दिया। हाथों में बैनर, प्लेकार्ड आदि लिए प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर कार्यालय के समक्ष दो घंटे तक धरना दिया। उन्होंने मांग की कि कोच राजवंशी लोगों को मान्यता देने, उत्तरी गुवाहाटी की घोषित जमीन को कोच राजवंशी सम्मिलन के मुख्य कार्यालय के नाम पर आवंटित करने और मिशन भूमिपुत्र के द्वारा दी गई ओबीसी प्रमाण पत्र के क्षेत्र में व्यापक धोखाधड़ी बंद करने, रूपसी हवाई अड्डे का नाम बहाल रखने और बीटी आर और राभा हासंग मे रह रहे कोच राजवंशीयों को भूमि और संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करें।

देरगांव में दो ड्रग्स तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के देरगांव इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चला कर भारी मात्रा में ड्रग्स समेत दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर देरगांव के नरिकलगुड़ी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक वाहन (एएस-06बीसी-3886) से भारी मात्रा में ड्रग्स समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर जब्त की गई ड्रग्स को डिमापुर से लेकर आये थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों ड्रग्स तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

वन बंधु परिषद, गुवाहाटी महिला समिति ने मनाया शिक्षक दिवस

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी महिला समिति द्वारा 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष पर गुवाहाटी से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नौगांव अंचल के जागीरोड संच के 13 एकल विद्यालय के आचार्यों को फूलाम गमछा पहना कर व उपहार भेंट कर सम्मान किया शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा किए। काफी बरसात होने की वजह से एकल विद्यालय के बच्चें उसी हॉल में उपस्थित रह कर मंत्रोच्चारन, कविता पाठ एवं नृत्य प्रस्तुत किए। हमने बच्चो व आचार्यों के साथ अल्पाहार का आनंद उठाया अध्यक्ष वंदना बागड़िया ने अपने संबोधन में सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि बच्चों के कौशल को ध्यान में रखते हुए जो उनकी प्रतिभा को जाने, उजागर कर उन्हें प्रोत्साहित करें। कोई बच्चा यदि अच्छा गाना गाता है तो उसे गाने का खूब अभ्यास करवाए, खेल में अच्छे बच्चों को खेल का अभ्यास और अच्छा नृत्य करने वाले बच्चों को नृत्य का अभ्यास करवा कर प्रोसाहित करे। कोई भी मनुष्य जन्म से सीख कर नहीं आता निरंतर अभ्यास से ही वह पारंगत होता है सफलता हासिल करता हैं और व्याख्यात होता हैं आचार्य का ही दायित्व है कि वह बच्चों को स्नेह देते हुए बच्चों को शिक्षित करें अपने घर के किसी भी तरह की चिंता, परेशानियों को विद्यालय तक ना आने दे बच्चों के साथ सक्रिय समय दें। बारिश कम होने पर फिर से एकल विद्यालय दर्शन कर को आएंगे की आश्वासन देते हुए गुवाहाटी के लिए रवाना हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष वंदना बागड़िया के साथ रितु सरावगी, सुमित्रा काबरा, जयति जाना, दीपा अग्रवाल, गौरी अग्रवाल, सुनीता चौधरी अग्रवाल का साथ रहा।

बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के आमगुरी के गौरीसागर मींट इलाके में बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय लोग बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बिजली विभाग के विरुद्ध काफी आक्रोशित हो गए। पुलिस ने बताया कि आज सुबह खेत में मवेशी बांधने के दौरान गौरीसागर के मींट इलाके में एक व्यक्ति उच्च क्षमता वाले बिजली के तार की चपेट में आ गया। जिसकी वजह से वीरेन सैकिया नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची गौरीसागर पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

कामरूप जिले में सातवां राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। देशभर में आयोजित हो रहे सातवें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का उद्घाटन आज कामरूप जिले में भी किया गया। आज कामरूप जिले के विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता ने जिले के एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय प्रांगण से एक जागरूकता रैली का शुभारंभ कर इस पोषण माह कार्यक्रम का उद्घाटन किया। गौरतलब है कि इस वर्ष सातवां राष्ट्रीय पोषण माह *सुपोषित किशोरियां, सशक्त महिलाएं* विषय पर सातवां पोषण माह एक सितंबर से 30 सितंबर तक मनाया जा रहा है। इस पोषण माह कार्यक्रम के दौरान, एनीमिया की पहचान करने, बाल विकास की निगरानी करने, बच्चों को पूरक आहार प्रदान करने, पोषण शिक्षा और सुशासन, पारदर्शिता और बेहतर सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया गया है। पोषण माह के शुभारंभ कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आज एक सभा भी आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता ने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए पौष्टिक भोजन की आवश्यकता बहुत जरूरी है। इसके अलावा, पोषण माह कार्यक्रम के दौरान, समाज कल्याण विभाग द्वारा यह आशा प्रकट की गई की बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं को उचित पोषण मिल सके। अतिरिक्त जिला आयुक्त (समाज कल्याण) कमल बरुवा ने भी आशा व्यक्त की कि जिले के समाज कल्याण विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी जमीनी स्तर पर लक्षित समूह के सभी बच्चे और किशोरियां और महिलाओं के सार्थक परिणाम के लिए काम करेंगे। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी भूपेन भट्टाचार्य ने कार्यक्रम के उद्देश्य की व्याख्या की। कार्यक्रम के अन्तर्गत दीप प्रज्ज्वलन और केक काटा गया।

जंगली हाथी के हमले में बाल-बाल बचा एक परिवार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के डिगबोई इलाके में जंगली हाथी के उपद्रव से ग्रामीण काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने आज बताया कि डिगबोई के बापापूंग इलाके में जंगली हाथियों का झुंड खाद्य की तलाश में घुस आया था। जंगली हाथी के उपद्रव के चलते हनीफ हुसैन नामक व्यक्ति अपने परिवार के साथ किसी तरह भागकर जान बचाने में सफल रहा। हाथियों के झुंड ने हनीफ के घर को काफी नुकसान पहुंचाया है। ग्रामीणों का कहना है कि खाद्य की तलाश में जंगली हाथी आए दिन गांव में घुस आते हैं। इसकी जानकारी वन विभाग को दिए जाने के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने जंगली हाथियों के उपद्रव से जल्द से जल्द निजात दिलाए जाने की गुहार वन विभाग से लगाई है।

बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने लगाया *जनता दरबार*

कोकराझाड़। बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने व्यक्तिगत रूप से विभिन्न समूहों, संगठनों और स्थानीय निवासियों के साथ चर्चा करने के लिए बीटीसी के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया है। इन बैठकों के माध्यम से, बीटीसी प्रमुख उनकी शिकायतों, मांगों से अवगत होते हैं और उनके अनुरोधों और चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करते हैं। 27 अगस्त को *जनतर दरबार* के उद्घाटन के हिस्से के रूप में, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने जनता के अनुरोधों, शिकायतों और शिकायतों को सुना। उनके साथ बीटीसी ईएम दौबैसा बोड़ो और बीटीसी ईएम विल्सन हसदा भी थे। रात 10 बजे से 1:30 बजे तक विभिन्न समूहों, ग्राम समितियों, क्लबों और धार्मिक संस्थानों के नेताओं ने अपनी चिंताएं प्रस्तुत कीं और उन्हें संबोधित करने के लिए कदम उठाए गए। 3 सितंबर को गोसाईगांव सर्किट हाउस में जनता दरबार कार्यक्रम के बाद, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो 4 सितंबर को चिरांग जिले के भारत-भूटान सीमा पर स्थित रुनीखत में वन विभाग के निरीक्षण बंगले में आयोजित एक और *जनतर दरबार* में शामिल हुए। बीटीसी प्रमुख को सांसद जयंत बसुमतारी, बीटीसी ईएम रंजीत बसुमतारी, एमसीएलए सैखोंग बसुमतारी और एमसीएलए माधव चंद्र छेत्री का समर्थन प्राप्त था। सत्र करीब एक बजे तक चला। स्थानीय निवासियों और संगठनों ने बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो से सीधे मिलने और उनके मुद्दों का समाधान होते देखने के अवसर पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने अनुरोध किया है कि ऐसे *जनतर दरबार* के माध्यम से मुद्दों को संबोधित करने की प्रक्रिया जारी रहे। प्रगतिशील बीटीसी के निर्माण के उद्देश्य से की गई इस पहल ने जनता के बीच उत्साह पैदा किया है और सभी बीटीसी क्षेत्रों में नियमित रूप से इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया है।

अवैध पत्थरों से लदे दो डंपर सहित चार लोग गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के दादगिरी समवाय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर समवाय दादगिरी द्वारा भारत-भूटान पिलर संख्या-169/5 से लगभग 12 किलोमीटर भारत की ओर देवश्री के पास स्पेशल नाका अभियान के दौरान पत्थरों से भरे दो डंपर (नं.-एएस-26सी-7418 तथा नं.-एसएस-26सी-9666) को देवश्री के पास रोक कर संदेहात्मक तौर पर पूछ-ताछ व चेकिंग की गई, जिस दौरान यह ज्ञात हुआ कि दोनो डंपरों में लदे पत्थर अवैध हैं और उससे संबंधित कोई भी दस्तावेज डंपर चालकों के पास नहीं पाया गया। तदोपरांत अवैध पत्थरों से भरे दोनों डंपर के साथ चारों तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए अवैध डंपर सहित चारों तस्करों को वन विभाग रूनीखाता को सौंप दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

पुलिस का पिस्टल छीनकर भाग रहे अपराधी गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के नाजिरा लिगिरिपुखुरी में पुलिस की पिस्तौल छीनकर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिमलुगुड़ी थाने के सब इंस्पेक्टर अब्दुल मन्नान द्वारा सड़क हादसे में घायल दो युवकों रोहित हजारिका और राज अहमद को बीती रात मेडिकल कराने के लिए नाजिरा में कर्मश्री हितेश्वर सैकिया सब-डिविजनल सिविल अस्पताल लाए गए थे। अस्पताल में पुलिस वाहन से उतरते समय युवकों ने उप निरीक्षक मन्नान पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और पुलिस जवान शांतनु गोहाईं की सर्विस पिस्तौल छिनकर भागने की कोशिश की। आखिरकार दोनों युवकों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। उनके विरुद्ध शिमलुगुड़ी थाने में एक मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। ज्ञात हो कि उन्हें उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वे नाजिरा बालीघाट में नशे की हालत में दुर्घटना कर भाग रहे थे।

भूपेन हजारिका
बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में एक संगीतमय प्रकाशस्तंभ

जाहिद अहमद तापादार

भूपेन हजारिका ने संगीत के पारंपरिक दायरे को पार किया और आम लोगों की मुक्ति के संघर्ष का समर्थन करने के लिए अपनी कला का इस्तेमाल किया। उन्होंने अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और वंचितों को न्याय की लड़ाई में प्रेरित करने के लिए संगीत को एक शक्तिशाली माध्यम में बदल दिया। हजारिका का काम संगीत के माध्यम से मानवीय भावना को जगाने का आह्वान था और उनका प्रभाव असम या भारत से कहीं आगे तक फैला, जो उन्हें एक सच्चे वैश्विक नागरिक के रूप में चिह्नित करता है। अपने पूरे जीवन में, भूपेन हजारिका ने खुद को अपने राष्ट्र, समुदाय और मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके गीतों में प्रेम और भाईचारे के सार्वभौमिक विषयों ने जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट होने, शांति, एकजुटता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उनका योगदान असमिया संस्कृति तक सीमित नहीं था; उनके संगीत ने असमिया राष्ट्र को विश्व मंच पर पेश किया, उनके गीत और धुन मानवतावाद और राष्ट्रीय चेतना से भरपूर थे। हजारिका के दुर्लभ व्यक्तित्व, दृष्टि और रचनात्मकता ने समाज के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया- उत्पीड़ित और शोषित, प्रेमी और वंचित, पहाड़ और मैदान, और समाज और संस्कृति का सार। उनकी कलात्मक अभिव्यक्तियां उनके गीतों, धुनों और फिल्मों के माध्यम से एकता और सद्भाव के संदेशों के साथ गूंजती थीं, जो विभिन्न सामाजिक वर्गों के जीवन को दर्शाती थीं। उनकी सांस्कृतिक यात्रा नस्ल या जाति की परवाह किए बिना लोगों की आशाओं और संघर्षों को प्रतिबिंबित करती है। शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ उनके साहसिक विरोध को उनकी रचनाओं के माध्यम से सशक्त रूप से व्यक्त किया गया था। भूपेन हजारिका के गीतों ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके संगीत ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता चाहने वाले लोगों को आशा का संदेश दिया और मुक्ति जुधा (स्वतंत्रता सेनानियों) की आवाज बन गए। पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना वाजेद ने कहा कि मुक्ति युद्ध के दौरान, भूपेन हजारिका के लोक गीतों ने स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों के बीच उत्साह और प्रेरणा पैदा की। उनके गीतों न उत्पीड़ितों को मुक्ति के संघर्ष में एकजुट होने के लिए प्रेरित किया। बांग्लादेश शिल्पकला अकादमी के महानिदेशक लियाकत अली लकी ने प्रकाश डाला, *भूपेन हजारिका की अमर रचना, जय जय नबा जटा बांग्लादेश / जय जय मुक्तिबाहिनी / भारतीय सैनिक साथे रचिले / मैत्रि काहिनी* भारतीय सैनिकों के साथ मिलकर उन्होंने एक कहानी रची। मित्रता), बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान आम लोगों को प्रेरित किया। बांग्लादेश में बीबीसी बंगाली सेवा के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भूपेन हजारिका का गाना *मानुष मानुषेर जोन्या / एकतु सोहनुवुति की मानुष पेटे पारे ना* बांग्लादेश में अब तक का दूसरा सबसे लोकप्रिय बंगाली गीत है। इसके अतिरिक्त, उनके गीत *गंगा अमर मा, पद्मा अमर मा/ओ अमर, दुई चोखे दुई जोलेर धारा-मेघना-जमुना* -जमुना) ने भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हजारिका का आम लोगों और बुद्धिजीवियों दोनों ने सम्मान किया। 2023 की शुरुआत में बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती के दौरान, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और स्वतंत्रता सेनानियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुवाहाटी का दौरा किया और सुधाकांत डॉ. को श्रद्धांजलि अर्पित की। भूपेन हजारिका के गीत गाकर उन्हें याद किया गया. 1971 में, बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के दौरान, असम विधान सभा के सदस्य भूपेन हजारिका ने एक अनूठी भूमिका निभाई। पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों से आहत होकर, उन्होंने सक्रिय रूप से बांग्लादेश की स्वतंत्रता का समर्थन किया। बांग्लादेशी लेखक और शोधकर्ता अबुल आज़ाद के साथ एक साक्षात्कार में, हजारिका ने याद किया, *मार्च 1971 में, पश्चिमी पाकिस्तानी सेना द्वारा पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार शुरू करने के बाद, मैंने गुवाहाटी में कुछ विधायकों के साथ इस मामले पर चर्चा की। 30 मार्च को, मैंने आपका गाना गाते हुए विधानसभा में प्रवेश किया राष्ट्रीय गान आमार सोनार बांग्ला अमी तोमे भालोबाशी* (माई गोल्डन बांग्लादेश, आई लव यू) अपने राष्ट्रीय ध्वज को पकड़ते हुए और केंद्र सरकार से शरणार्थियों को आश्रय देने का आह्वान करते हुए। त्रिपुरा के *दैनिक संवाद* अखबार ने 31 मार्च, 1971 को रिपोर्ट दी, आज के विधानसभा सत्र के दौरान, सदस्य डॉ. भूपेन हजारिका ने स्वतंत्र बांग्लादेश का झंडा फहराया, और सभी सदस्यों ने झंडे की सराहना की। भूपेन हजारिका उस सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, जिसने भाषा शहीद दिवस (भाषा शहीद दिवस) में भाग लेने के लिए प्रधान मंत्री शेख मुजीबुर रहमान के निमंत्रण पर 21 फरवरी को ढाका का दौरा किया था।

संपादकीय

संजौली विवाद की वजह

आबादी के घनत्व में फैलता शिमला शिकायत करता है या इस तारीख पर धर्म की मंजिलें गुनहगार हैं। शिमला मस्जिद विवाद हर तरह की तहजीब पर प्रश्न उठा रहा है। कानून के गोरे काले ढूंढ कर वैमनस्य का उद्गार कर रहा है। सैकड़ों आवाजें उठ खड़ी हुईं और जय-विजय के उद्घोष में कानून की आंतडियों का मुआयना कई दिशाओं में शोर सुनने लगा। एक अवैध निर्माण के माले पर आकर अगर सांसद असदुद्दीन ओवैसी बैठ जाए, तो फिर विवाद नहीं, यह टकराव हो सकता है। संजौली के हिस्से में न धर्म की आंख और न ही अवैध निर्माण की लगाम आई और यह चिंता का विषय है। यहां पाप-पुण्य का फैसला धर्म कतई नहीं कर सकता, बल्कि गुनाहों का बद किरदार या तो नगर निगम शिमला की करतूतों में छिपा है या शहरी विकास की आचार संहिता में इतने छेद हैं कि वर्षों से जारी अवैध निर्माण की परिपाटी किसी को नजर नहीं आई। अब अगर दो समुदायों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा किए जा रहे हैं, तो सत्ता को भी कानून के रास्ते बुलंद करने पड़ेंगे। सरकार के एक मंत्री बेशक जन सैलाब की नुमाइंदगी में इंगित हुआ है, लेकिन मस्जिद पर अगर अनैतिक सीमेंट चढ़ा है, तो उसके लिए व्यवस्था ही जिम्मेदार मानी जाएगी। ऐसे में टीसीपी महोदय किन फाइलों में गुम रहे या नगर निगम चुनावों में हार-जीत गिनने वाले चेहरे क्यों गौण हुए। यह निर्माण उस समय ही क्यों नजर आया जब दो समुदायों के बीच झड़प हुई या जब आंदोलित संवेदना सडक़ पर आई, तो ही व्यवस्था क्यों होश में आई। वैसे बेहोशी के आलम में हिमाचल की कई गलियां सो रही हैं और कहीं दबाव और कहीं प्रभाव से अवैध निर्माण जारी है। शिमला विवाद का हल न धार्मिक संगठन और न ही ओवैसी जैसे सांसद कर सकते और अगर यह दस्तूर बन गया, तो हिमाचल में ऐसे कई निशान, धार्मिक स्थान व इल्जाम हैं जो अग्रिम मोर्चे पर आ जाएंगे। अगर 34 शहरी विकास योजनाओं में से ग्यारह अर्थहीन हो गई हैं, तो समझ लेना चाहिए कि अतिक्रमण के नीचे बारूद खड़ा है। नगर नियोजन विभाग को विभिन्न सरकारों और माननीयों के राजनीतिक व्यवहार ने सजा दी है। प्रदेश में कुछ शहरी निकायों की जद में आ रहे गांवों को टीसीपी के तहत लाने की कोशिशों को खुर्द-बुर्द करने की दलीलें, अगर विधायक दे रहे हैं, तो भविष्य के खतरे ऐसे सोच के कांटों पे उगे हैं। प्रदेश सरकार को यह साबित करना होगा कि मस्जिद की लंबाई-चौड़ाई में धर्म की आड़ छुपी है या नगर निगम की नजरअंदाजी ने खता की है। जो भी हो, हिमाचल के माहौल में ऐसी तल्खियों की गुंजाइश नहीं है और न ही ओवैसी को जवाब देने का तर्क पैदा होता है। हिमाचल में मजहब से ऊपर तहजीब के आदर्श और शांति की परंपराएं निवास करती हैं। यहां का लोकतांत्रिक आचरण धर्म के पैबंद नहीं ओढ़ता, बल्कि हर चुनाव में व्यवस्था के प्रश्न गूंजते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री की ओर से दिया गया आश्वासन कम से कम प्रदेश की चिंता में शरीक होकर, अमन की दुहाई दे रहा है। भले ही सरकार के एक मंत्री की भूमिका का आकार बड़ा व उनकी प्रशंसा का दायरा और भी बड़ा हो रहा है, लेकिन देखना यह है कि ऐसे अतिक्रमण पर कानून के हथौड़े कितने मजबूत और प्रभावशाली होते हैं।

> शिमला मस्जिद विवाद हर तरह की तहजीब पर प्रश्न उठा रहा है। कानून के गोरे काले ढूंढ कर वैमनस्य का उद्गार कर रहा है। सैकड़ों आवाजें उठ खड़ी हुईं और जय-विजय के उद्घोष में कानून की आंतडियों का मुआयना कई दिशाओं में शोर सुनने लगा। एक अवैध निर्माण के माले पर आकर अगर सांसद असदुद्दीन ओवैसी बैठ जाए, तो फिर विवाद नहीं, यह टकराव हो सकता है। संजौली के हिस्से में न धर्म की आंख और न ही अवैध निर्माण की लगाम आई और यह चिंता का विषय है। यहां पाप-पुण्य का फैसला धर्म कतई नहीं कर सकता, बल्कि गुनाहों का बद किरदार या तो नगर निगम शिमला की करतूतों में छिपा है या शहरी विकास की आचार संहिता में इतने छेद हैं कि वर्षों से जारी अवैध निर्माण की परिपाटी किसी को नजर नहीं आई। अब अगर दो समुदायों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा किए जा रहे हैं, तो सत्ता को भी कानून के रास्ते बुलंद करने पड़ेंगे। सरकार के एक मंत्री बेशक जन सैलाब की नुमाइंदगी में इंगित हुआ है, लेकिन मस्जिद पर अगर अनैतिक सीमेंट चढ़ा है, तो उसके लिए व्यवस्था ही जिम्मेदार मानी जाएगी। ऐसे में टीसीपी महोदय किन फाइलों में गुम रहे या नगर निगम चुनावों में हार-जीत गिनने वाले चेहरे क्यों गौण हुए।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में पारित हुआ दुष्कर्मियों को फांसी की सजा का कानून

दुष्कर्म बनाम कानून दर कानून

प्रमोद भार्गव

> दिल्ली में घटित निर्भया, हैदराबाद की महिला पशु चिकित्सक प्रियंका रेड्डी और अब कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्शु महिला डॉक्टर की दुश्कर्म के बाद हत्या के मामलों से यही प्रकट हुआ है कि जब सरकार और पुलिस कानून व्यवस्था के अमल में लाचारी का सामना करती है तो एक नए कथित कठोर कानून 'अपराजिता महिला-बाल सुरक्शा विधेयक' लाकर अपने कत्र्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं।

देश में अनेक कानूनी उपाय और जागरूकता अभियानों के बाबजूद बच्चों एवं महिलाओं से दुश्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली में घटित निर्भया, हैदराबाद की महिला पशु चिकित्सक प्रियंका रेड्डी और अब कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्शु महिला डॉक्टर की दुश्कर्म के बाद हत्या के मामलों से यही प्रकट हुआ है कि जब सरकार और पुलिस कानून व्यवस्था के अमल में लाचारी का सामना करती है तो एक नए कथित कठोर कानून 'अपराजिता महिला-बाल सुरक्शा विधेयक' लाकर अपने कत्र्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। 2012 में घटित निर्भया कांड में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कठोर कानून लायी थी। इसे त्वरित न्याय का पर्याय भी माना गया था, लेकिन जब फांसी की सजा हुई तो उसे देने का कानूनी क्रिया-कर्म करने में पूरे आठ साल लग गए थे। हैदराबाद के मामले में तो पुलिस ने दुश्कर्म के चार आरोपियों को छह दिसंबर 2019 को घटना स्थल पर ले जाकर मुठभेड़ में मार गिरा दिया था। सुप्रीम कोर्ट के सेवा निवृत जज बीएस सिरपुरकर की अध्यक्शता वाले आयोग ने इस मुठभेड़ को फर्जी बताया था। अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुश्कर्म पर सरकार, कॉलेज और पुलिस प्रशासन की कमियों और गड़बड़ियों पर पर्दा डालने के लिए फांसी का कानून ले आईं। आनन-फानन में विधानसभा से पारित इस विधेयक में कहा गया है कि यदि दुश्कर्म के किसी मामले में पीड़िता की मौत हो जाती है, या फिर वह कोमा में चली जाती है तो अपराधी को फांसी दी जाएगी। इस कानून को लाने से पहले यह भी कहा गया था कि 10 दिन के भीतर दोशी को फांसी दे दी जाएगी। परंतु सामने आए कानून में इस समय सीमा का उल्लेख नहीं है। दरअसल समूची भारतीय न्याय व्यवस्था गढ़े गए ऐसे विकल्प और प्रतिविकल्पों का सामना करते हुए आगे बढ़ती है कि तय समय सीमा में न्याय संभव ही नहीं है। श में दुश्कर्म के सर्वाधिक मामलों के परिप्रेक्श्य में अब्बल रहने वाला मध्य प्रदेश दुश्कर्म पीड़िताओं को त्वरित न्याय और फांसी की सजा का प्रावधान बहुत पहले कर चुका है। मध्य प्रदेश में ऐसा इसलिए संभव हो पाया था, क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान इस तरह के मामलों में त्वरित न्याय की दृश्टि से सामूहिक दायित्व निर्वहन की भावना से काम लिया था। चैहान ने ही 12 वर्श से कम उम्र की बच्चियों के साथ दुश्कर्म के मामले में फांसी की सजा का प्रावधान किया था। बाद में इस कानून को अन्य राज्यों ने भी अपनाया और अब तो केंद्र सरकार ने भी नाबालिग बालिकाओं के साथ दुश्कर्म व हत्या के अपराध में फांसी की सजा का प्रावधान कर दिया है। बावजूद निचली अदालतों से सजा मिलने के बाद भी ऐसे मामलों में फांसी देने में विलंब हो रहा है। दुश्कर्म मामलों में त्वरित न्याय का सिलसिला चल निकलने के बाद भी महिलाओं व बालिकाओं से दुश्कर्म की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। एक अध्यादेश लाकर 12 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ दुश्कर्म के दोशी को मौत की सजा और 16 साल से कम उम्र की किशोरी के साथ बलात्कार एवं हत्या के आरोपी को उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया था। इस अध्यादेश ने कानूनी रूप भी ले लिया है। पॉक्सो कानून की धारा 9 के तहत किए गए प्रावधानों में शामिल हैं कि बच्चों को सेक्स के लिए परिपक्व बनाने के उद्देश्य से उन्हें यदि हार्मोन या कोई रासायनिक पदार्थ दिया जाता है तो इस पदार्थ को देने वाले और उसका भंडारण करने वाले भी अपराध के दायरे में आएंगे। इसी तरह पोर्न सामग्री उपलब्ध कराने वाले को भी दोशी माना गया है। ऐसी सामग्री को न्यायालय में सबूत के रूप में भी पेश किया जा सकता है। लेकिन देखा गया है कि अधिकतम मामलों में पुलिस ने कामवर्धक दवा और अश्लील सामग्री उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की दरअसल इस तरह की चीजें बच्चों से बाल्यावस्था छीनने का कारण बनते हैं। किशोर और युवा इनसे प्रेरित होकर किसी स्त्री के साथ अनर्थ कर डालते है। साफ है, यह सामग्री लोगों के शरीर ही नहीं आत्मा को भी छलनी कर रही है। हालांकि पहले कानून से कहीं ज्यादा आदमी को धर्म और समाज का भय था। नैतिक मान-मर्यादाएं कायम थीं। किंतु इन्हें तार-तार करने का काम कुछ ऐसे कानूनों ने भी किया है, जिनके चलते रिश्तों की गरिमा लगभग खत्म हो गई है। नैतिक पतन के कई स्वरूप होते हैं, व्यक्तिगत, संस्थागत और सामूहिक। व्यक्तिगत पतन स्वविवेक और पारिवारिक सलाह से रोका जा सकता है। किंतु संस्थागत और सामूहिक चरित्रहीनता के कारोबार को सरकार और पुलिस ही नियंत्रित कर सकती है। दवा कंपनियां कामोत्तेजना बढ़ाने के जो रसायन और सॉफ्टवेयर कंपनियां पोर्न फिल्में बनाकर जिस तरह से इंटरनेट पर परोस रही हैं, उस पर काबू कानूनी उपायों से ही संभव है। पोर्न फिल्मों की ही देन है कि जैसे गली-गली में दुश्कर्मी घूम रहे हैं। समाजशास्त्री मानते हैं कि जहां कानूनी प्रावधानों के साथ सामाजिक दबाव भी होता है, वहां बलात्कार जैसी दुश्प्रवृत्तियां कम पनपती है। विडंबना है कि राजनीति का सरोकार समाज-सुधार से दूर हो गया है। उसकी कोशिश सिर्फ सत्ता में बने रहकर केवल उसका दोहन करना भर रह गया है। यही वजह है कि भिन्न विचारधाराओं की राजनीति सत्ता के लिए जिस तरह एकमत हो जाते हैं, उसी तर्ज पर इस दुश्कर्म मामले में भी भिन्न धर्मों के लोग एक हो गए। स्त्री उत्पीड़न की ज्यादातर घटनां महानागरों के उन इलाकों में घट रही है, जहां समाज और परिवार से दूर वंचित समाज रह रहा है। ये लोग अकेले गांव में रह रहे परिवार की आजीविका चलाने के लिए शहर मजदूरी करने आते हैं। ऐसे मोबाइल पर उपलब्ध कामोत्तेजक सामग्री इन्हें भड़काने का काम करती है और ये चलती-फिरती बालिकाओं अथवा महिलाओं को बहला-फुसलाकर या उनकी लाचारी का लाभ उठाकर यौन उत्पीड़न कर डालते हैं। हैदराबाद की चिकिस्तक के साथ घटी घटना की पृश्ठभूमि में लाचारी रही है। इनकी स्कूटी कम आबादी वाले इलाके में पंचर हो गई और इंसानियत के दुश्मन मदद के बहाने हैवानियत पर उतर आए। लाचार ने पालतू मवेशियों के इलाज की पढ़ाई तो की थी, लेकिन इंसानियत के भीतर निवास करने वाले जानवरों के न तो वह लक्शण जानती थी और न ही उनका उपचार करना जानती थी।

दृष्टि कोण

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे अपराध

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यावहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नए प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों को अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीडऩ के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा-64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा-66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीड़ित निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा। हालांकि, इन सबके बावजूद सुधार नहीं हुआ है। निर्भया कांड (2012) के बाद भारत में कई चर्चित बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक 17 वर्षीय लडक़ी के साथ बलात्कार और हत्या की घटना सामने आई। उत्तर प्रदेश के ही हाथरस जिले में एक 19 वर्षीय दलित लडक़ी के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्यंत बर्बरता की गई। पीड़िता की मृत्यु के बाद, उसके शव को परिवार की अनुमति के बिना रात के समय दफनाया गया। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। पीड़िता की शिकायत के बावजूद, पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में एक महिला वेटरिनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। अपराधियों को पकडने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की, और बाद में आरोपी एनकाउंटर में मारे गए, जिसने विवाद और बहस को जन्म दिया। मणिपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने हाल ही में बहुत ध्यान खींचा। इस मामले ने स्थानीय हिंसा और सामाजिक अस्थिरता को भी उजागर किया।

कुछ अलग

सरकार कड़े कदम उठा रही है...

सरकार के कदमों पर सबकी नजर रहती है। पब्लिक की नजर भी रहती है और विपक्ष की नजर भी रहती है। सत्ता में जो लोग हाशिये पर बैठे होते हैं, उनकी तो सबसे ज्यादा तेज नजर अपनी ही सरकार के कदमों पर रहती है। वे इस ताक में रहते हैं कि सरकार के कदम जब डगमगाएंगे तो उन्हें हाशिये से मुख्य धारा में आने का मौका मिल जाएगा। सरकार के कदम फिसलते ही उनकी बांछें खिलने लगती हैं। विपक्ष के तो दोनों हाथों में लड्डू आ जाते हैं। चैनल वालों को परोसने के लिए नया मसाला मिल जाता है। पब्लिक भी बैठे-बैठे स्वाद लेने लगती है। अब सरकार के कदम भी कई तरह के होते हैं। बहके कदम, दिशाहीन कदम, नरम कदम और कड़े कदम। जो सरकार कदम नहीं उठाती, सुस्त लेटी रहती है, अलसाती रहती है, उसे लोग सरकार की श्रेणी में ही नहीं रखते। सरकार को अपना अस्तित्व दिखाने के लिए कोई न कोई कदम उठाने ही पड़ते हैं। यही कुछ वर्तमान हुकूमत के बारे में भी देखने को मिल रहा है। सरकार मजबूत है, लेकिन मजबूर है और मजबूरी में कड़े कदम उठा रही है। पहले नरम कदम उठा रही थी और उससे पब्लिक में चर्चा शुरू हो गई थी कि आखिर सूबे में सरकार नाम की कोई चीज है भी या नहीं। सिरफिरे लोग सरकार पर तंज कसने लगे थे। कहने लगे थे कि सरकार बहुत कोमल और नाजुक है। अपनी हड्डी पर मोच नहीं आने देना चाहती, इसलिए नरम कदम उठा रही है। यानी हरी-हरी कोमल घास पर चल रही है। और प्रदेश को चारागाह बना दिया है। सरकार चल रही है, लेकिन सरकार में शामिल चंद लोग घास को चर रहे हैं। इससे घास के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाएगा। जब पब्लिक के बीच सरकार के नरम कदमों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं तो सरकार ने कठोर कदम उठाने का निर्णय लिया। हुकूमत में एकदम से कडक़ फैसले लिए जाने लगे। एक से बढक़र एक कडक़ और कठोर फैसले। कईयों की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई। कईयों को सैलरी के लाले पड़ गए। कईयों की पेंशन कछुए की चाल चलने लगी। बैंक खाते में पेंशन आने की कोई निश्चित तारीख नहीं रही। इसलिए नहीं रही, क्योंकि सरकार ने कठोर कदम उठाना शुरू कर दिए थे। महंगाई भत्ते की किस्तों और एरियर पर कैंची चलने लगी। इसलिए चलने लगी, क्योंकि सरकार कठोर निर्णय ले रही थी। जिनकी जेब पर कैंची चल रही थी, उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। उन्होंने सरकार पर ठीकरा फोडऩा शुरू कर दिया। आरोप लगाना शुरू कर दिए कि एक तरफ सरकार ने अपने लोगों को पद बांट कर खजाना लुटाना शुरू कर दिया है और उन्हें गाड़ी, बंगला, नौकर जाकर सब सुविधा प्रदान कर दी है। जबकि दूसरी तरफ आम आदमी की सुविधाओं में लगातार कटौती की जा रही है। अपने ही फैसले पलटे जा रहे हैं। अपनी ही गारंटियों से सरकार पीछे हट रही है। पिछली सरकारों ने जो सुविधाएं दी थी, वे बंद की जा रही हैं। संस्थान बंद किए जा रहे हैं। इसलिए किए जा रहे हैं क्योंकि सरकार कड़े कदम उठा रही है और कडक़ फैसले ले रही है। अगर टमाटर के दाम 50 पैसे प्रति किलो काम करते हैं, तो सीमेंट के दाम 5 रुपए प्रति बोरी बढ़ा दिए जाते हैं। इसे सरकार का कड़ा कदम कहते हैं। लोगों में चर्चा शुरू हो जाती है कि भाई, सरकार हो तो ऐसी। देखो दिल पर पत्थर रखकर कड़े कदम उठा रही है। आखिर हमारे लिए ही उठा रही है क्योंकि हमारी चिंता सरकार को है। सरकार हमें कड़वे फैसले के लिए तैयार हो जाने को कह रही है, तो हमें तैयार हो जाना चाहिए।

देश दुनीया से

बदतर आर्थिकी सुधारने को बड़े कदमों की जरूरत

> आज ये पहाड़ी प्रदेश अपने इतिहास के सबसे मुश्किल आर्थिक दौर से गुजर रहा है और वर्तमान सरकार कुछ नए प्रयोगों के दम पर इस स्थिति से निपटने की कोशिश में लगी हुई है। सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश की आर्थिकी को कितना बल मिलता है, ये आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन फिलहाल ऐसा लगता है कि हालात जिस कद्र बिगड़ चुके हैं उनको सुधारने के लिए छोटे-मोटे नहीं, बल्कि कुछ बड़े और कड़े प्रयास करने की आवश्यकता है। लेकिन इन बड़े प्रयासों के लिए जिस तरह की राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, उसका प्रयोग शायद कोई भी राजनीतिक दल नहीं करना चाहेगा, क्योंकि उनको पांच साल के बाद फिर से जनता के दरबार में जाना होता है और कड़े निर्णय जनता के गले आसानी से नहीं उतरते।

हिमाचल प्रदेश की आर्थिक बदहाली की तस्वीर आज किसी से छुपी नहीं है। आज ये पहाड़ी प्रदेश अपने इतिहास के सबसे मुश्किल आर्थिक दौर से गुजर रहा है और वर्तमान सरकार कुछ नए प्रयोगों के दम पर इस स्थिति से निपटने की कोशिश में लगी हुई है। सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश की आर्थिकी को कितना बल मिलता है, ये आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन फिलहाल ऐसा लगता है कि हालात जिस कद्र बिगड़ चुके हैं उनको सुधारने के लिए छोटे-मोटे नहीं, बल्कि कुछ बड़े और कड़े प्रयास करने की आवश्यकता है। लेकिन इन बड़े प्रयासों के लिए जिस तरह की राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, उसका प्रयोग शायद कोई भी राजनीतिक दल नहीं करना चाहेगा, क्योंकि उनको पांच साल के बाद फिर से जनता के दरबार में जाना होता है और कड़े निर्णय जनता के गले आसानी से नहीं उतरते। लोकतंत्र की ये खूबसूरती है कि जनता अपनी भलाई के लिए ही सरकारों को चुनती है और सरकार अपनी नीतियों से जनता को पेश आ रही समस्याओं को दूर करने का प्रयास करती है। इन नीतियों से जब समस्या हल नहीं होती, तो इस नीति का पुनरावलोकन करने की बजाय एक नया तरीका ढूंढ लिया जाता है और वो है फ्रीबीज। अर्थात मुफ्त में जनता को वस्तु या सेवा उपलब्ध करवाना। इस कारण से जनता की मानसिकता सरकार को कुछ देने की नहीं, बल्कि सरकार से किसी न किसी जरिए से कुछ हासिल करने की बन चुकी है। जनता की इस मानसिकता को एकदम से बदलना कदापि संभव नहीं है और जब तक इस मानसिकता में बदलाव नहीं होता, तब तक इस आर्थिक संकट से मुक्ति संभव नहीं है। इस समय हिमाचल प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद और ऋण का अनुपात 40 प्रतिशत के लगभग है। ये अनुपात प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। यहां पर इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि ये इतनी बड़ी आर्थिक समस्या कोई रातों रात पैदा नहीं हुई, बल्कि ये एक लंबे समय तक हुए आर्थिक कुप्रबंधन का परिणाम है। फ्रीबीज और लोकलुभावन निर्णयों को आधार बनाकर की गई वोट की राजनीति ही इसका मुख्य कारण रहा है। पिछले लगभग डेढ़ दशक से ये मुद्दा प्रदेश में एक बड़ी चर्चा का विषय रहा है, लेकिन कभी भी इस आर्थिक बदहाली से निपटने के लिए कोई पुख्ता पहल नहीं की गई। इस दौरान जितने भी चुनाव प्रदेश में हुए, उनमें हर विपक्षी पार्टी ने सताधारी दल पर आक्रमण करने के लिए इस मुद्दे को एक चुनावी हथियार की तरह प्रयोग किया। ये समस्या इसलिए और ज्यादा गंभीर बन गई, क्योंकि ये मुद्दा केवल और केवल एक चुनावी मुद्दा ही बन कर रह गया और कभी भी सरकारों के एजेंडे का हिस्सा नहीं बन सका। आज से पहले प्रदेश की आर्थिक बदहाली के आंकड़े जब जनता के सामने आते थे, इन आंकड़ों के प्रति जनता का ज्यादा सरोकार नहीं होता था, क्योंकि उनको लगता था कि इन आंकड़ों की अहमियत केवल कागजों और सरकारी फाइलों तक ही है। लेकिन अब उन आंकड़ों ने अपना असर धरातल पर दिखाना शुरू कर दिया है और प्रदेश की इस आर्थिक बदहाली को प्रदेश का एक आम नागरिक भी महसूस करने लगा है। बात चाहे डिपुओं में मिलने वाले राशन में होने बाली कटौती की हो या फिर सरकारी कार्यालयों को बंद या स्थानांतरित करने की या फिर बिजली की फ्री यूनिट में कटौती की या फिर घरेलू पानी के बिल की शुरुआत करने की, ये सारे कदम प्रदेश की वित्तीय दुर्दशा का ही परिणाम हैं। इस तरह की सभी लोकलुभावन सौगातें जब जनता को दी जाती हैं, तो ये राजनीतिक दलों के प्रति सकारात्मक मनोभाव बनाने में सफल हों या ना हों, लेकिन जब इन सौगातों पर रोक लगाई जाती है, तो ये निर्णय सरकारों के प्रति एक नकारात्मक मनोभाव जरूर तैयार करते हैं। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी यूं तो अब एक सदाबहार विषय बन चुका है, लेकिन पिछले दिनों यह विषय उस समय एकाएक चर्चा में आ गया जब हिमाचल प्रदेश के सचिवालय के कर्मचारियों द्वारा अपने महंगाई भत्ते और छठे वेतन आयोग की बकाया राशि मांग को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में अपनी मांगों के साथ- साथ कर्मचारी नेताओं द्वारा, सरकार द्वारा किए जा रहे कुछ खर्चों और नेताओं और अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे भत्तों पर भी अंगुली उठाई गई। इस वजह से अब इन कर्मचारियों और सरकार के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री द्वारा अपने मंत्रियों और मुख्य संसदीय सचिवों के दो महीने के वेतन को भी विलंबित कर दिया गया है। यह सही है कि कर्मचारियों को अपनी मांगें सरकार के सामने रखने का पूरा अधिकार होता है और ये मांगें काफी हद तक जायज भी हैं।

आप का नजरीया

हिमाचली नायक

ललित कलाओं में संगीत यानी गायन, वादन एवं नृत्य की त्रिवेणी को श्रेष्ठतम माना जाता है। जहां शास्त्रीय संगीत में खुले चिंतन, मनन, ध्यान तथा कल्पना की स्वतंत्रता है, वहीं पर कड़े नियमों का भी बंधन होता है। कड़ी साधना, ध्यान, चिंतन तथा तपस्या तथा ईश्वर कृपा गुरु के आशीर्वाद से ही संगीत में सिद्धि प्राप्त की जा सकती है। भारतवर्ष में शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में सरकारी स्तर पर आकाशवाणी का केन्द्रीय ऑडिशन बोर्ड ही कलाकार की श्रेष्ठता या ग्रेडिंग का निर्धारण करता है। पूर्व में आकाशवाणी द्वारा ही संगीत में पण्डित या उस्ताद की उपाधि प्रदान की जाती थी। आल इंडिया रेडियो के केन्द्रीय बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया यह ग्रेड किसी भी कला साधक के लिए आम नहीं बल्कि खास होता है जिसका मूल्य एक संगीत साधक ही समझ सकता है। हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष सावन के महीने में जहां खूब मेघ बरसे, वहीं पर प्रदेश के शास्त्रीय संगीत के कलाकारों पर भी ए-ग्रेड की खूब बारिश हुई। हालांकि आकाशवाणी द्वारा ए-ग्रेड प्रतिष्ठित कलाकारों के बोर्ड द्वारा बहुत ही कड़ी परीक्षा के पश्चात ही कठोर संगीत साधना तथा अनुभवी संगीत साधकों को प्रदान किया जाता है, लेकिन इस बार इस केन्द्रीय ऑडिशन बोर्ड में प्रदेश के चार युवा कलाकारों ने अपनी साधना का करिश्मा दिखाने के पश्चात ए-ग्रेड प्राप्त कर प्रदेश का नाम संगीत क्षेत्र में ऊंचा किया है। आकाशवाणी के केन्द्रीय ऑडिशन बोर्ड की यह मोहर प्रदेश के संगीत समाज को भी गौरवान्वित करती है तथा भविष्य में प्रयासरत संगीतज्ञों को संगीत साधना के लिए प्रेरित कर सफलता के दरवाजे खोलती है। केन्द्रीय स्वर परीक्षा बोर्ड ने प्रदेश के बी हाई-ग्रेड कलाकारों की आकाशवाणी शिमला द्वारा प्रेषित का ए-ग्रेड के लिए आकलन किया गया जिसमें शिमला के युवा गायक गुंजन चन्ना, राजगढ़ (सिरमौर) की युवा गायिका डॉ. सविता सहगल, शिमला के हरि दत्त भारद्वाज तथा धर्मपुर (सोलन) के पाइनग्रोव स्कूल के युवा वायलिन वादक एवं संगीत शिक्षक शांता कुमार ने यह करिश्मा कर दिखाया है। ये चारों ही युवा संगीतज्ञ संगीत के परम्परागत परिवारों से संबंध रखते हैं। परंपरागत रूप से संगीत इन सभी के जीवन का एक अटूट तथा अभिन्न अंग है। गुंजन चन्ना शिमला में चन्ना संगीत अकादमी के संचालक विनोद चन्ना के सुपुत्र हैं। शास्त्रीय संगीत तथा सुगम संगीत में ए-ग्रेड प्राप्त करने वाली प्रदेश की पहली महिला डॉ. सविता सहगल राजकीय महाविद्यालय कण्डाघाट में संगीत गायन की सह-प्राध्यापिका हैं तथा प्रदेश लोक संगीत में एकमात्र टॉप ग्रेड आर्टिस्ट डॉ. कृष्ण लाल सहगल की सुपुत्री एवं शिष्या हैं। डॉ. सविता हिमाचली लोकसंगीत में भी महारत रखती हैं। हरिदत्त भारद्वाज प्रदेश के बांसुरी वादक स्वर्गीय चेत राम शर्मा के दोहते तथा विश्व प्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित रूणू मजूमदार के शिष्य हैं। कामर्स में स्नातक, प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद से संगीत प्रभाकर तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से संगीत में एमए करने वाले शांता कुमार मूलतः शिमला के ही निवासी हैं। शांता कुमार वर्तमान में पाइनग्रोव स्कूल धर्मपुर, जिला सोलन में संगीत शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

दुनिया में भारत की सशक्त पहचान में उप्र की गुणात्मक भागीदारी : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने किया सैनिक स्कूल गोरखपुर का लोकार्पण

गोरखपुर (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बताते हुए यहां 2017 के बाद आए बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बनी भारत की अलग और सशक्त पहचान में उत्तर प्रदेश की गुणात्मक भागीदारी है। उन्होंने 2047 तक *विकसित भारत* की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सबसे योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए, क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें, कम है। उपराष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके परउपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित थीं। उपराष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद उप्र में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है जबकि 2017 के पहले यह प्रदेश डर की चपेट में था। कानून व्यवस्था ठीक नहीं थी, आम आदमी परेशान रहता था। कई पहलुओं पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर को मात्र तीन वर्ष में पूरा करवाकर योगी ने शानदार और चमत्कारिक कार्य कर दिखाया है। वैसे तो मुख्यमंत्री योगी के चमत्कारिक कार्यों की गूंज हर जगह सुनाई देती है। तीन वर्ष में सैनिक स्कूल बनकर संचालित होना मुश्किल और अकल्पनीय था लेकिन सीएम योगी ऐसा कर देंगे, यह विश्वास भी था। सैनिक स्कूल समेत सभी स्कूलों के विद्यार्थियों और आमजन को प्रेरित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्र हमारा धर्म है। हमें निजी स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र धर्म को रखना होगा। राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र के साथ धोखा होगा। राष्ट्र पर प्रश्न चिह्न लगाने वालों को हमें बर्दाश्त नहीं करना है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत दस साल पहले वाला भारत नहीं है। बल्कि सशक्त भारत है। पहले देश का सोना स्विट्जरलैंड के बैंक में गिरवी रखा जाता था, आज ऐसी स्थिति नहीं है बल्कि देश का स्वर्णकोष पर्याप्त है। जिस कश्मीर में कोई दिखता नहीं था, वहां अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद दो-तीन वर्ष से दो करोड़ से अधिक पर्यटक आ रहे हैं। संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 370 को अस्थायी बनाया था लेकिन कुछ लोग इसे परमानेंट मान बैठे थे। धनखड़ ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि उन्हें असफलता से कभी डरना नहीं चाहिए, क्योंकि असफलता सफलता की शुरुआत का केंद्र है। उन्होंने कहा कि डर को मन से निकाल दें। डरेंगे तो आपकी प्रतिभा कुंठित होगी। उन्होंने चंद्रयान 3 की अभूतपूर्व सफलता का आधार चंद्रयान 2 की आंशिक सफलता को बताया। शिक्षा की महत्ता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा बदलाव का माध्यम है। सामाजिक कुरीतियों पर कुठाराघात शिक्षा के माध्यम से ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण अंग है। इस क्षेत्र के पहले सैनिक स्कूल का ढांचा अद्भुत है। इस शानदार सैनिक स्कूल के रूप में सीएम योगी ने जो करिश्मा किया है, वह भविष्य की पीढ़ी के निर्माण का रास्ता है। वह आश्वस्त हैं कि यह सैनिक स्कूल योगी की विशिष्ट छाप का प्रतिबिंब रहेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1960 में देश के पहले सैनिक स्कूल की स्थापना उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने की थी। अब उप्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सोसाइटी के माध्यम से सैनिक स्कूल खोलने का सराहनीय कार्य किया है। कम समय में सैनिक स्कूल बनाकर और सबसे अधिक दिन मुख्यमंत्री रहकर योगी ने पूर्व सीएम डॉ. संपूर्णानंद का रिकार्ड तोड़ दिया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि जब देश के सबसे बड़े प्रांत के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरे आवास पर आकर सैनिक स्कूल गोरखपुर के लोकार्पण के लिए निमंत्रण पत्र दिया तो मैं बहुत भावुक हो गया। उन्होंने कहा कि वैसे तो योगी की हर बात असाधारण है पर सैनिक स्कूल के लिए इनका निमंत्रण पत्र भी असाधारण ही था। उन्होंने मुझे सैनिक स्कूल के एक पुरातन छात्र के रूप में निमंत्रित किया। योगी की नजर पैनी और पारखी है। मुझे बुलाने के लिए मुझ पर जितना होमवर्क उन्होंने किया, उतना मेरे निकट संबंधियों ने भी नहीं किया होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में आकर वह काफी भावविभोर और प्रफुल्लित हैं। आज उनके सामने छह दशक पूर्व का दृश्य जीवंत हो रहा है, जब वह खुद सैनिक स्कूल के छात्र थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरे लिए यह अविस्मरणीय काम कर दिया है। धनखड़ ने कहा कि इस निमंत्रण के जरिए मुख्यमंत्री योगी ने यह भान भी कराया कि शिक्षा बदलाव लाने, असमानता दूर कर समानता पैदा करने का माध्यम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर के लोकार्पण के लिए मौका देकर आपने (योगी) मेरे जीवन में नया अध्याय जोड़ दिया है। इसे कभी नहीं भूलेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि गोरखपुर का सैनिक स्कूल हर राज्य को प्रेरणा देगा कि वह भी इसके तर्ज पर सोसाइटी बनाकर अपने राज्य में सैनिक स्कूल की स्थापना करें। उन्होंने कहा कि इस सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में आकर आज मेरा जो लगाव गोरखपुर से हुआ है।

महिला शिक्षा और सुरक्षा हमेशा से फेवरेट फोकस : बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी

बाड़मेर (हिंस)। बाड़मेर के नवनियुक्त जिला कलेक्टर टीना डाबी ने शनिवार को जिले की कमान संभाल ली है। जिला कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। हालांकि टीना डाबी शुक्रवार को बाड़मेर पहुंच गई थीं। आज सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहां से कलेक्टर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे वहां कर्मचारियों और अधिकारियों ने स्वागत किया गया। कलेक्टर टीना डाबी ने कहा कि फिलहाल बारिश ज्यादा होने के कारण सड़कों व ड्रेनेज सिस्टम को सुधारा जाएगा। दरअसल, एक दिन पहले भजनलाल सरकार ने 108 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया था। इस सूची में बाड़मेर जिला कलेक्टर निशांत जैन का ट्रांसफर जेडीए जयपुर में कर दिया गया था। बाड़मेर जिला कलेक्टर के पद पर 2016 की टॉपर टीना डाबी को जिला कलेक्टर पद पर लगाया गया है। शुक्रवार को आईएएस टीना डाबी बाड़मेर पहुंचीं। नाइट स्टे सर्किट हाउस में करने के बाद शनिवार को जिला कलेक्टर का पदभार संभाला। कलेक्टर ने कहा कि जिले में बारिश ज्यादा हुई है। सड़कों के हालत खराब है। ड्रेनेज सिस्टम और सड़कों पर विशेष ध्यान रहेगा। साथ ही कुछ पानी और बिजली को लेकर इश्यू बताए गए हैं। उस पर भी फोकस रहेगा। स्वास्थ्य एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज है। बारिश के वजह से मौसम बीमारियों फैलना का भी डर है। स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय करके उस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। सरकार स्कीम है उसे अच्छे से धरातल पर आए और अंतिम छोर तक पहुंचाई जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि महिला शिक्षा और सुरक्षा मेरी हमेशा से फेवरेट फोकस एरिया रहते हैं। एक महिला कलेक्टर होने के नाते मेरे लिए यह भी बहुत प्राथमिकता का एरिया रहेगा। फिर से मारवाड़ में काम करने का मौका मिला है। पहले मैं जैसलमेर कलेक्टर के रूप में काम किया था। वहां का अनुभव मेरे लिए काम आएगा। एरिया काफी बराबर है। जैसलमेर जो टूरिज्म है उसका भी लर्निंग अनुभव रहा है और बाड़मेर के लिए भी इस दिशा में कुछ करूं।

मुख्यमंत्री का दावा, 30 महीने में 44974 युवाओं को दी सरकारी नौकरियां

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दावा किया है कि उनकी सरकार ने 30 माह के कार्यकाल में 44 हजार 974 सरकारी नौकरियां देकर एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। शनिवार को चंडीगढ़ में निकाय विभाग के ऑडिटोरियम में युवाओं को विभिन्न विभागों में 293 पदों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक विभाग में खाली होते ही सभी पदों को भर देती है। भर्ती प्रक्रिया के लिए एक ठोस प्रक्रिया अपनाई गई है जिसके कारण इन 44, 000 से अधिक नियुक्तियों में से किसी भी नियुक्ति को अभी तक किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार के लिए यह गर्व की बात है कि इन युवाओं को पूरी तरह योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार के ठोस प्रयासों के कारण राज्य में युवाओं के पलायन की प्रवृत्ति उलट गई है। राज्य के युवा अब बेहतर जीवन की तलाश में विदेश जाने के बजाय यहां रोजगार पाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जो युवा पहले विदेश जा चुके थे, वे भी अब वापस आ रहे हैं और नौकरियां पाने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

पंजाब के सीमावर्ती जिलों का दौरा करेंगे राज्यपाल कटारिया

चंडीगढ़(हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे। राज्यपाल पाकिस्तान की सीमा से सटे पंजाब के जिलों का दौरा करके वहां के लोगों की समस्याओं को जानेंगे। इससे पहले पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने भी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करके वहां अपनी गतिविधियों को बढ़ाया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान और तत्कालीन राज्यपाल पुरोहित के बीच विवाद शुरू हो गया था। पंजाब के सरहदी क्षेत्रों में नशे व हथियारों की क्रॉस बॉर्डर स्मगलिंग सबसे बड़ी दिक्कत हैं। पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने सरहदी क्षेत्रों का दौरा करने के बाद गांव स्तर पर सुरक्षा समितियों का गठन किया था। ये समितियां गांवों में बिकने वाले नशे, सरहद पार से आने वाले नशे और नशा तस्करों की जानकारियां पुलिस को देते थे। पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने अपने कार्यकाल में 6 सरहदी दौरे किए थे।

हाईकोर्ट ने कार्यरत पुलिस कर्मियों के खिलाफ जारी विभागीय कार्रवाई पर लगाई रोक

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद, मेरठ, वाराणसी, मैनपुरी, सिद्धार्थनगर, बस्ती, आगरा, गोरखपुर एवं प्रयागराज में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर, दरोगा, हेड कांस्टेबल एवं कांस्टैबलों के विरुद्ध जारी विभागीय कार्रवाई पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी है। यह आदेश जस्टिस जे जे मुनीर ने सुधीर कुमार सिंह, गौरव सिंह, यशवीर सिंह, हरिश कुमार, योगेश कुमार, राजीव चौधरी, दीपक कुमार सिंह, इमरान खॉन व अन्य पुलिस कर्मियों के विरुद्ध प्रचलित उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली-1991 के नियम 14(1) के अंतर्गत विभागीय कार्रवाई को अग्रिम आदेशों तक स्थगित करते हुए दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ पुलिस विभाग के आला अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए उनसे जवाब तलब किया है। न्यायाधीश जे जे मुनीर ने पुलिस विभाग में कार्यरत दर्जनों अलग-अलग पुलिस कर्मियों की याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया है। कोर्ट ने इस तरह की दाखिल अन्य याचिकाओं को कनेक्ट करते हुए सभी पर एक साथ सुनवाई करने का निर्देश दिया है। याची पुलिस कर्मियों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अधिवक्ता अतिप्रिया गौतम का कहना था कि जिन आरोपों में याचीगणों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, उन्हीं आरोपों के सम्बन्ध में विभागीय कार्रवाई सम्पादित की जा रही है। क्रिमिनल केस के आरोप व साक्ष्य एवं विभागीय कार्रवाई के आरोप व साक्ष्य एक समान है। वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना था कि पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा 483, 486, 489, 492 एवं 493 में यह व्यवस्था दी की गई है कि पुलिस कर्मियों के विरुद्ध अगर क्रिमिनल केस प्रचलित है तो उन्हीं आरोपों में विभागीय कार्रवाई नहीं की जा सकती। जब तक कि क्रिमिनल केस में ट्रायल पूर्ण न हो जाय या फाइनल रिपोर्ट में अपचारी बरी न हो जाय। पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा को सर्वोच्च न्यायालय ने जसवीर सिंह के केस में अनिवार्य माना है तथा यह सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि पुलिस रेग्यूलेशन का पालन किये वगैर की गई कार्रवाई विधि सम्मत नहीं है एवं नियम तथा कानून के विरुद्ध है। मामले के अनुसार उप्र पुलिस विभाग के याची निरीक्षक, उपनिरीक्षक व आरक्षियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार व अन्य मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट विभिन्न थानों में दर्ज कराई गई है। तथा उक्त क्रिमिनल केस के आरोपों के संबंध में उप्र पुलिस अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड एवं अपील) नियमावली-1991 के नियम 14(1) के तहत विभागीय कार्रवाई सम्पादित करते हुए अधिकारियों द्वारा आरोप पत्र भी निर्गत किये गये है। इन पुलिस कर्मियों द्वारा धारा 14(1) की विभागीय कार्रवाई के विरुद्ध हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकायें दाखिल कर चुनौती दी गई है। याचियों की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना था कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कैप्टेन एम पॉल एंथोनी बनाम भारत गोल्ड माईन्स लिमिटेड तथा हाईकोर्ट के निर्णय में यह व्यवस्था प्रतिपादित की गई है कि यदि क्रिमिनल केस के आरोप एवं विभागीय कार्रवाई के आरोप एक समान है तो विभागीय कार्रवाई क्रिमिनल केस के समाप्त होने तक याचियों के विरुद्ध नहीं की जा सकती। हाईकोर्ट के इस आदेश से पुलिस कर्मियों को राहत मिली है। हाईकोर्ट के इस स्थगन आदेश को संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों को अवगत कराने के लिए संबंधित जिले के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा रजिस्ट्रार अनुपालन इलाहाबाद हाईकोर्ट को 48 घंटे के अन्दर सूचित करने के लिए आदेशित किया गया है।

हजारों किलोमीटर का सफर तय कर जैसलमेर पहुंची सात समंदर पार से आने वाली कुरजां

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर में बारिश के बाद प्रवासी पक्षी कुरजा के एक झुंड ने देगराय ओरण तालाब पर डेरा डाला है। करीब 300 कुरजा पक्षियों के झुंड के आने से पर्यावरण प्रेमी खुश हैं। पर्यावरण प्रेमी सुमेर सिंह सांवता का कहना है कि अब प्रवासी पक्षियों का आना लगातार जारी रहेगा। ठंडे देशों में इन दिनों तेज ठंड प ?ना शुरू होने से ये पक्षी गरम देशों की तरफ पलायन करते हैं। भारत इनके लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। ऐसे में जिले के कई तालाबों पर ये छह महीने तक अपना डेरा डालते हैं। इसके बाद मार्च तक ये वापस अपने देश लौट जाते हैं। गौरतलब है कि सर्दियों के मौसम में हजारों किलोमीटर का सफर तय कर पश्चिमी राजस्थान में डेरा डालने वाली कुरजां इन दिनों जैसलमेर के देगराय ओरण तालाब की रौनक बढ़ा रही है। जिले के बड़े तालाबों वाले एरिया में इन पक्षियों का कलरव सुना जा सकता है। जैसे-जैसे तापमान में कमी आएगी वैसे इन पक्षियों

का आना लगातार जारी रहेगा। चीन, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि देशों में सितंबर के महीने में ही बर्फबारी शुरू हो जाती है, ऐसे में कुरजां पक्षी के लिए सर्दियों का वो मौसम उनके अनुकूल नहीं होता। कड़ाके की ठंड में खुद को बचाए रखने की जद्दोजहद में हजारों किलोमीटर का सफर तय करके ये कुरजां पश्चिमी राजस्थान का रुख करते हैं। सुमेर सिंह ने बताया कि भारत में खासकर पश्चिमी राजस्थान जैसे गरम इलाके में सितंबर और अक्टूबर से फरवरी तक शीतलहर चलती है। इस लिहाज से इस पक्षी के लिए ये मौसम काफी अनुकूल रहता है। इस दौरान करीब 5 से 6 महीने के लिए कुरजां पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर अपना डेरा डालती है। जैसलमेर जिले के लाठी, खेतोलाई, डेलासर, धोलिया, लोहटा, चाचा, देगराय ओरण सहित अन्य जगहों पर कुरजां पक्षी अपना डेरा डालती है। दक्षिण पूर्वी यूरोप एवं अफ्रीकी भू-भाग में डेमोसाइल क्रेन के नाम से विख्यात कुरजां पक्षी अपने शीतकालीन प्रवास के लिए हर साल हजारों मीलों उड़ान भरकर भारी तादाद में क्षेत्र के देगराय ओरण और लाठी इलाके के तालाबों तक आते हैं। मेहमान परिंदों का आगमन सितंबर महीने के पहले हफ्ते से शुरू हो जाता है और करीब 6 महीने तक प्रवास के बाद मार्च में वापसी की उड़ान भर जाते हैं। सुमेर सिंह बताते हैं कि एकांत प्रिय मिजाज का यह पक्षी अपने मूल स्थानों पर इंसानी आबादी से काफी दूर रहता है।

शेखावत ने बाबा रामदेव के समाधि स्थल पर लगाई धोक, देश-प्रदेश में खुशहाली की कामना की

जैसलमेर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार सुबह रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेव के पवित्र समाधि स्थल पर धोक लगाई। उन्होंने मंगला आरती में पूजा-अर्चना कर ज्योत के दर्शन किए और देश-प्रदेश में खुशहाली की कामना की। शेखावत ने कहा कि रुणिचा धनी की कृपा आशीर्वाद सभी पर बना रहे। बाबा रामदेव देशभर से आने वाले भक्तों श्रद्धालुओं की कामना पूरी करें। समाधि स्थल पर जाने से पहले शेखावत ने भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। पवित्र स्थली रामदेवरा दर्शन के बाद बाबा रामदेव गौशाला जाकर गऊ माता और नन्दी को चारा-गुड़ खिलाकर सेवा की। इससे पहले, शेखावत सुबह गणमान्य लोगों से मिले। पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मिलकर सभी के अभाव अभियोग सुने और यथासंभव समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया।

पांच दिवसीय गणेश महोत्सव का हुआ आगाज, गणपति की पूजा के लिए उमड़ी भीड़

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के एलएन पथ स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी ने पांच दिवसीय श्री गणेश महोत्सव का आगाज शनिवार को हुआ। मंदिर में भगवान गणपति की प्रतिमा की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना शुरू हो गई। मौके पर ठाकुरबाड़ी के महंत पंडित अंगद दुबे, अभिषेक दुबे, अनिल पाठक, देवाशीष पाठक की अगुवाई में मुख्य यजमान गिरीश केडिया व उनकी धर्मपत्नी नीतू केडिया ने संयुक्त रूप से पूजा-अर्चना कर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर पूजा समिति के संयोजक पवन शर्मा एवं अध्यक्ष भूपेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव का 39 वां वार्षिकोत्सव के मौके पर इस बार कोलकाता के शिल्पीकार खोखन पाल एवं सुनील कुमार, बादल मुंदड़ा के द्वारा महागणपति महाराज की प्रतिमा भक्तों की बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन संध्या बेला में खीर और लड्डू व फलों की सवामणी का महाभोग भगवान श्री गणेश को चढ़ाया जाएगा। साथ ही प्रतिदिन म्यूजिकल आरती व भजन-कीर्त्तन का आयोजन होगा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर संस्था के सुभाष कुमार अग्रवाल, पवन अग्रवाल, मनोहर शर्मा, धनपत धाड़ेवाल, शिबू अग्रवाल, भीम अग्रवाल, पप्पू अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, योगेश भूपाल, राजेश अग्रवाल, अमित भूपाल, श्याम भूपाल, राज कुमारी देवी, सीए दीपक अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, जय प्रकाश परनामी, अरविंद गोयल आदि सक्रिय है। कार्यक्रम को लेकर गणपति के भक्तों में उत्साह है।

विश्व प्रसिद्ध गया पितृपक्ष मेले के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक एवं बेहतर तैयारी रखें : मुख्यमंत्री

पटना/गया (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया के विष्णुपद मंदिर में शनिवार को पूजा-अर्चना कर राज्य की समृद्धि की कामना की। इसके बाद सीएम ने पितृपक्ष मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक में कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक एवं बेहतर तैयारी रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पितृपक्ष मेले में देश के कोने-कोने एवं विदेशों से तीर्थयात्री बड़ी संख्या में श्रद्धाभाव से अपने पूर्वजों का पिंडदान और तर्पण करने गया की मोक्षभूमि आते हैं। पितृपक्ष मेले की महत्ता को देखते हुए अधिकारीगण विशेष ध्यान रखें। मैं इस बात को नहीं भूल सकता हूं कि एक बार मुझे एक महिला श्रद्धालु ने बताया था कि यहां पिंडदानियों को काफी दिक्कत होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से हमें काम करने का मौका मिला, हमने पिंडदानियों की सुविधाओं को लेकर कई काम किए। हर वर्ष पितृपक्ष मेले की तैयारियों

का जायजा लेने आते हैं और यहां आने वाले श्रद्धालुओं की हर प्रकार की सुविधाएं सुनिश्चित की जाती हैं। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पितृपक्ष मेले में बड़ी संख्या में लोग श्रद्धा के साथ पहुंचते हैं। यह राजकीय मेला है, ऐसे में साफ सफाई एवं स्वच्छता का पूरा प्रबंध रखें। घाटों, तालाबों एवं रास्तों की नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए। तालाबों की स्वच्छता का विशेष रूप से ख्याल रखें क्योंकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु तालाबों में स्नान करते हैं इसलिए पानी की स्वच्छता के साथ-साथ उसकी निकासी भी आवश्यक है। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी डॉ त्याग राजन एसएम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पितृपक्ष मेला-2024 की तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। पितृपक्ष मेले की बेहतर व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद भी दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष पितृपक्ष मेले का आयोजन 17 सितंबर, 2024 से 02 अक्टूबर, 2024 तक निर्धारित है। सभी महत्वपूर्ण वेदियों एवं घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी और सभी प्रकार की व्यवस्था की गई है। कार्य समितियों का गठन कर पदाधिकारियों को बेहतर व्यवस्था के संचालन की जिम्मेवारी दी गई है। जिलाधिकारी ने पितृपक्ष मेले के दौरान आवासन, साफ-सफाई, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, विद्युत व्यवस्था, वृद्ध एवं दिव्यांगजन के लिए आवागमन की व्यवस्था, यातायात सुविधा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर की जा रही तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पितृपक्ष मेले के संबंध में सभी तरह की सूचना उपलब्ध हो सके, इसके लिए पिंडदान गया मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। कॉल सेंटर के माध्यम से भी श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की जानकारी मिलेगी। समीक्षा बैठक के दौरान पंडा समाज के प्रतिनिधि ने मुख्यमंत्री द्वारा गयाजी के विकास के लिए किए गए कार्यों के लिए धन्यवाद दिया और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने गया में गंगाजल को पहुंचाकर अद्भुत कार्य किया है। इसके पहले मुख्यमंत्री ने फल्गू नदी के किनारे आयोजित कार्यक्रम स्थल से विष्णुपद मंदिर तक वैकल्पिक पहुंच पथ तथा एकीकृत जलनिकासी कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और नवनिर्मित पथ का निरीक्षण किया। यह नवनिर्मित पथ मानपुर पुल से सीधे विष्णुपद मंदिर को जोड़ता है। साथ ही यह पथ विष्णुपद मंदिर को सीधे एनएच-82 से जोड़ेगा, जिससे संकीर्ण मार्ग से घूमकर मंदिर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस पथ से सीताकुंड, गयाजी धाम, विष्णुपद मंदिर और एनएच-82 तक एक कॉरिडोर के रूप में दिखेगा।

भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और व्यापारिक मार्गों पर निर्भरता कम होगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली।
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) से भारत की समुद्री सुरक्षा बढ़ेगी और देश के कुछ व्यापार मार्गों पर निर्भरता कम हो जाएगी।

भारत और भूमध्यसागरीय देशों के बीच संबंध बढ़ने पर पर्यटन के क्षेत्र के लिए भी काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'पर्यटन से सांस्कृतिक और आर्थिक जुड़ाव होता है, जिसका हमें तेजी से दोहन करने की जरूरत है। हमें इसके लिए कार्यसमूह गठित करना चाहिए।' भूमध्यसागर के आसपास का क्षेत्र भूमध्यसागरीय क्षेत्र कहलाता है। इस इलाके में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के देश शामिल हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित भारत-भूमध्यसागरीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि आईएमईसी कम लॉजिस्टिक लागत पर त्वरित संपर्क मुहैया कराएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत और भूमध्य सागर के देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ना एक अच्छी शुरुआत है, जिससे आगे चलकर बेहतर कारोबारी संबंध विकसित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों के साथ ब्लू इकोनॉमी, अक्षय ऊर्जा, डिजिटलीकरण, टेक्सटाइल, फार्मा, सूचना तकनीक (आईटी), विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में संबंध बढ़ाने की अपार संभावना है। उन्होंने कहा, 'संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इजरायल और यूरोपीय संघ होते हुए भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप को जोड़ने के मकसद से भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में आईएमईसी की शुरुआत की गई थी। इससे भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और रणनीति के हिसाब से भारत की महज कुछ मार्गों पर निर्भरता कम होगी, जो इस समय हमारी सामुद्रिक सुरक्षा के हिसाब नुकसानदेह है।

न्यूज ब्रीफ

लिथियम बैटरी की कीमत में 50 फ़ीसदी की कमी

नई दिल्ली। दुनियाभर में सौर और विंड एनर्जी जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तेजी से,बढ़ रहा है। ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) की मांग में कमी के चलते अब बैटरी निर्माताओं ने बिजली स्टोरेज पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। 2023 में लिथियम बैटरी के बाजार में 1.25 लाख करोड़ रुपए का अनुमान है। 2040 तक 250 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बदलाव की वजह से, कंपनियां अब बिजली को सौर और विंड ऊर्जा से स्टोर करने के लिए बैटरियों का निर्माण और उपयोग करने पर काम कर रही हैं। लिथियम बैटरी की कीमतें 2019 से 50न तक कम हो गई है। जिससे यह बिजली स्टोरेज के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई हैं। भारत में भी अब कोयला और अन्य पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की जगह बैटरी स्टोरेज की तरफ रुझान बढ़ रहा है। जिससे भविष्य में स्थायी ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि होना तय है।

टाटा सन्स कंपनी ने कमाया मुनाफा, चंद्रशेखरन की 20 फीसदी बढ़ी सैलरी

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की टाटा सन्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का वेतन वित्त वर्ष 2023-24 में 19.8 फीसदी से बढ़कर 135.3 करोड़ रुपए हो गया है। यह टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी के मुनाफे पर आधारित कमीशन में बढ़ोतरी के कारण हुआ है। टाटा सन्स की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन को 121.5 करोड़ रुपए का कमीशन प्राप्त हुआ, जबकि बाकी उनका वेतन और सुविधाएं थीं। टाटा सन्स के सभी डायरेक्टर्स के कुल पारिश्रमिक में 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और कंपनी ने अपने टॉप डायरेक्टर्स को 200 करोड़ रुपए का भुगतान किया है जो वित्त वर्ष 2022-23 में 172.5 करोड़ रुपए था। इसी अवधि में टाटा सन्स के कर्मचारियों के वेतन और पारिश्रमिक में 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 441 करोड़ रुपए हो गया। दिलचस्प बात यह है कि भारत की टॉप लिस्टिड कंपनियों में कार्यकारी पारिश्रमिक की वृद्धि वित्त वर्ष 2024 में धीमी हो गई। जैसा कि बिजनेस स्टैंडर्ड रिसर्च ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है, बीएसई 200 कंपनियों के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों या टॉप मैनेजमेंट का कुल पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2023-24 में 3.9 फीसदी बढ़कर 8,304 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 7,990 करोड़ रुपए था। यह पिछले चार सालों में एग्जिक्यूटिव कंपेंजेशन में सबसे धीमी बढ़ोतरी थी।

स्विगी ने 'इनकॉग्निटो' मोड सुविधा की लॉन्च, अब आप कर सकेंगे गुप्त आर्डर

नई दिल्ली। ऑनलाइन आपूर्ति मंच स्विगी ने उद्योग में पहली बार 'इनकॉग्निटो' मोड सुविधा लॉन्च की है, जिससे उपयोगकर्ता खान पान और अन्य जरूरी सामान का ऑर्डर गोपनीय रुप से दे सकते हैं। इनकॉग्निटो इंटरनेट ब्राउजर का एक खास स्वरूप है जिसका इस्तेमाल करने पर उपयोगकर्ता की सर्च हिस्ट्री दर्ज नहीं होती है और इस मोड में की गई गतिविधियां सामान्य ब्राउजर में दिखाई नहीं देते हैं। स्विगी ने कहा कि उसके मंच पर इनकॉग्निटो मोड को सक्रिय कर उपयोगकर्ता गोपनीय रूप से सामान की खरीदारी कर सकता है और ऑर्डर ऐप की हिस्ट्री में भी नहीं दिखाई देगा। यह सुविधा स्विगी के फूड और इंस्टामार्ट दोनों खंडों पर उपलब्ध है। स्विगी ने कहा कि गुप्त मोड गोपनीय खरीदारी के लिए भी आदर्श है क्योंकि यह सुविधा तय करती है कि ऐसे ऑर्डर निजी रहें ताकि उपयोगकर्ताओं की पसंद दूसरों को दिखाई न दे।

गणेशोत्सव पर खरीदारी से बाजार में उछाल

25 हजार करोड़ से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद

फूल, माला, फल, नारियल, धूप और अन्य पूजन सामग्री की बड़े पैमाने पर बिक्री

मुंबई /नई दिल्ली।
गणेशोत्सव की धूम देश ही नहीं पूरे देश में है। मुंबई में गणेशोत्सव बहुत धूम से मनाया जाता है। बप्पा के स्वागत की तैयारी में लोग जुटे हैं जिसकी वजह से छोटे बड़े सभी बाजारों और दुकानों में भारी खरीदारी हो रही है। दस दिन तक चलने वाले गणेशोत्सव में इस साल महाराष्ट्र में 11 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार होने की उम्मीद है जबकि इस त्यौहार में 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार होने की उम्मीद है।

गणेशोत्सव को देखते हुए कारोबारी संस्था कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने अनुमान लगाया है कि इस त्यौहार में 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार होने की उम्मीद है। गणेशोत्सव विशेष रूप से महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और गोवा में महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देता है, जो देश में सनातन अर्थव्यवस्था के महत्व और योगदान को स्थापित करता है।

इन राज्यों में स्थानीय व्यापारियों द्वारा किए गए सर्वेक्षण के बाद यह जानकारी मिली है कि त्यौहार के लिए अनुमानित 20 लाख से ज्यादा गणेश पंडाल लगाए गए हैं। अकेले महाराष्ट्र में 7 लाख से अधिक पंडाल लगाए गए हैं, इसके बाद कर्नाटक में पांच लाख, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में दो लाख प्रत्येक और शेष दो लाख पूरे देश में पंडाल लगे हैं। यदि प्रत्येक पंडाल पर न्यूनतम 50 हजार रुपए का खर्च भी माना जाए, जिसमें सेटअप, सजावट, ध्वनि प्रणाली, गणेश प्रतिमा, फूल आदि शामिल हैं, तो यह आंकड़ा अकेले 10 हजारा करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाता है।

गणेश प्रतिमाओं का व्यापार 500 करोड़ से ज्यादा का होता है। फूल, माला, फल, नारियल, धूप और अन्य पूजन सामग्री की बड़े पैमाने पर बिक्री होती है, जो 500 करोड़ के करीब होती है। मुख्य रूप से मोदक की मांग में वृद्धि होती है। मिठाई की दुकानों और घरेलू व्यवसायों की बिक्री में दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की वृद्धि होती है। इसके अलावा, परिवारों द्वारा बड़े समारोहों और भोजन के आयोजन के कारण कैटरिंग और स्नैक व्यवसायों में करीब तीनय हजार करोड़ रुपए का व्यापार होता है।

गणेशोत्सव देखने के लिए देश विदेश से लोग यहां आते हैं जिससे पर्यटन और परिवहन व्यवसाय को भी बड़ा बढ़ावा मिलता है। यात्रा कंपनियों, होटलों और परिवहन सेवाओं जैसे बस, टैक्सी, ट्रेन की मांग भी बढ़ जाती है, जिसका कारोबार दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकता है। वस्त्र, आभूषण, घर की सजावट और उपहार वस्तुओं की बिक्री भी तीन हजार करोड़ तक पहुंच सकती है। कैट के राष्ट्रीय मंत्री अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा गणपति जी का यह त्यौहार महाराष्ट्र में सबसे बड़े त्योहार में माना जाता है। इसके माध्यम से लोग दिल खोलकर खर्च करते हैं अनुमान है कि इस साल महाराष्ट्र में 11 हजार करोड रुपए से ज्यादा का व्यापार होने की उम्मीद है। रक्षाबंधन से शुरू हुआ त्योहारों का यह सीजन, गणेश चतुर्थी, नवरात्र, दशहरा, करवा चौथ, दीपावली, छठ पूजा और इसके बाद शादी का सीजन तक जारी रहेगा जो भारतीय अर्थव्यवस्था को तेज गति पर ले जाएगा। भारतीय व्यापारियों ने इस साल भी चीनी उत्पादों के बहिष्कार की अपील की है।

एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए चेक-इन की समय-सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली।
टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने शनिवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए चेक-इन की समय-सीमा को बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने कहा है कि अब चेक-इन काउंटर अपने निर्धारित प्रस्थान समय से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा। ये नियम राजधानी नई दिल्ली से सभी अंतरराष्ट्रीय प्रस्थानों पर लागू होगा। ये नियम 10 सितंबर, 2024 से प्रभावी होगा।

कंपनी ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान के लिए चेक-इन काउंटर अब आपके निर्धारित प्रस्थान समय से 75 मिनट पहले बंद हो जाएगा। एयर इंडिया ने बताया कि पिछले 60 मिनट के बंद होने से यह समायोजन सभी के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करता है, जिससे व्यस्त अवधि के दौरान भी चेक-इन प्रक्रियाओं और सुरक्षा मंजूरी के लिए पर्याप्त समय मिलता है। हम इस नए बंद समय से पहले हवाई अड्डे पर पहुंचने में आपके सहयोग की सराहना करते हैं।

इससे पहले अगस्त में एयर इंडिया ने कहा था कि 10 सितंबर, 2024 से नई दिल्ली हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए चेक-इन काउंटर उड़ान प्रस्थान से 75 मिनट पहले बंद हो जाएंगे। एयरलाइन ने उस समय यात्रियों से समय पर चेक-इन काउंटर पर रिपोर्ट करने का अनुरोध भी किया था। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान वह क्षेत्र होता है, जिसका उपयोग यात्री विदेश जाने के लिए करते हैं। इंटरनेशनल टर्मिनल में स्थित पासपोर्ट चेकपॉइंट से गुजरने के बाद यात्री अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान की ओर बढ़ सकते हैं।

जावा 42 एफजे बाइक की प्री-बुकिंग भी शुरू

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में जावा 42 एफजे बाइक लॉन्च हो गई है। शानदार बाइक की शुरुआती कीमत 1,99,142 रुपए एक्स-शोरूम रखी गई है। कंपनी ने इसकी प्री-बुकिंग भी शुरू कर दी है। इच्छुक ग्राहक 942 रुपए की टोकन राशि देकर बुक कर सकते हैं। इस बाइक में 334सीसी, लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन दिया गया है, जो 29.1बीएचपी और 29.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।

त्योहारी सीजन शुरु होते ही सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली।
घरेलू बाजार में त्योहारी सीजन शुरु होते ही सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। शुनिवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोने की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,470 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गयी। वहीं मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,320 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंची। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी तेजी आई है। ये अब 87,100 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गयी हैं।

दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 67,360 प्रति 10 ग्राम, वहीं 24 कैरेट सोना73,470 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। मुंबई में 22 कैरेट सोना 67,210 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,320 प्रति 10 ग्राम। अहमदाबाद में 22 कैरेट सोना 67,260 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,370 प्रति 10 ग्राम है। जयपुर और लखनऊ में 22 कैरेट सोना 67,360 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,470 प्रति 10 ग्राम पर है। इसके अलावा चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु में 22 कैरेट सोना 67,210 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,320 प्रति 10 ग्राम पर है। पटना में 22 कैरेट सोना 67,260 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,370 प्रति 10 ग्राम पर है। भुवनेश्वर और हैदराबाद में 22 कैरेट सोना 67,210 प्रति 10 ग्राम, 24 कैरेट सोना 73,320 प्रति 10 ग्राम पर है।

माना जा रहा है त्योहार शुरु होने से कीमतों अभी और बढ़ेंगी। ये 76,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर जा सकती हैं। सोने की कीमतों में तेजी का मुख्य कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 18 सितंबर को होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं हैं।

जीएसटी काउंसिल की बैठक सोमवार को, स्वास्थ्य बीमा पर फैसला संभव

नई दिल्ली।
वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक 9 सितंबर, सोमवार को राजधानी नई दिल्ली में 54वीं होने वाली है। इस बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा कराने वाले लोगों को महंगे प्रीमियम (बीमा किस्त) से निजात मिलने की संभावना है।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 9 सितंबर, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में दोनों तरह के बीमा (स्वास्थ्य और जीवन बीमा) पर लगने वाली जीएसटी की दर को 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया जा सकता है। हालांकि, स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर लगने वाले जीएसटी की दर से सरकारी खजाने पर बोझ पड़ सकता है।

स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर लगने वाली 18 फीसदी जीएसटी दर को हटाने का मुद्दा अब राजनीतिक मोड़ ले चुका है। इसकी शुरुआत केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के वित्त मंत्री सीतारमण को एक पत्र लिखने से हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल और अब कनार्टक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के पॉलिसीधारकों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी जीएसटी दर में कटौती की मांग की।

वित्तीय सेवाओं के विभाग के स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर मौजूदा जीएसटी कर की दर घटाने के अनुरोध के बाद जीएसटी परिषद के द्वारा नामित केंद्र और राज्यों के राजस्व अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति ने इसका विस्तृत विश्लेषण किया है। फिटमेंट समिति इस बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट 9 सितंबर को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में सौंप सकती है। इससे सरकारी खजाने पर 6.5 अरब रुपये से 35 अरब रुपये तक का बोझ पड़ने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के दौरान 7 अगस्त को वित्त विधेयक 2024 में संशोधन पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा था कि मैं यहां दो महत्त्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख करना चाहती हूं। उन्होंने कहा था कि स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी के लागू होने से पहले भी कर लगता था। यह कोई नया मुद्दा नहीं है, सभी राज्यों में यह पहले से ही था।

अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी भी अब इलेक्ट्रिक कारें बनाएगी

नई दिल्ली।
रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर अब इलेक्ट्रिक कारों और बैटरियों के विनिर्माण करने की प्लानिंग कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में जानकार सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अपनी योजनाओं के लिए सलाहकार के तौर पर चीनी वाहन विनिर्माता बीवाईडी के पूर्व भारतीय अधिकारी को नियुक्त कर दिया है। सूत्र ने बताया कि अनिल अंबानी के रिलायंस समूह वाली कंपनी ने सालाना करीब 2.5 लाख वाहनों की शुरुआती क्षमता वाले इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र के लागत व्यवहार्यता अध्ययन के लिए बाहरी सलाहकारों की नियुक्ति है, जिसे आगे चलकर 7.5 लाख वाहनों तक बढ़ाया जाएगा। कंपनी 10 गीगावॉट घंटे (जीडब्ल्यूएच) क्षमता वाली बैटरी संयंत्र लगाने की भी योजना बना रही है जिसे एक दशक में 75 जीडब्ल्यूएच तक बढ़ा दिया जाएगा।

फिलहाल, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनी के शेयर 0.2 फीसदी गिरे हुए थे लेकिन इस खबर के आने के बाद वह दो फीसदी चढ़कर बंद हुए। इलेक्ट्रिक वाहन परियोजना के लिए सलाहकार के तौर पर नियुक्त बीवाईडी के पूर्व अधिकारी संजय गोपालकृष्णन ने भी कोई टिप्पणी नहीं की है। अनिल अंबानी एशिया के सबसे अमीर मुकेश अंबानी के छोटे भाई हैं। दोनों भाइयों ने साल 2005 में पारिवारिक विवाद के चलते कारोबार का बंटवारा कर लिया था। मुकेश अंबानी की कंपनी पहले से ही स्थानीय स्तर पर बैटरी विनिर्माण पर काम कर रही है और इस सप्ताह उसने 10 गीगावॉट बैटरी सेल उत्पादन के लिए सरकारी प्रोत्साहन की बोली भी जीती है लेकिन अनिल अंबानी की कंपनी इस योजना को आगे बढ़ाने का फैसला करती है तो दोनों भाई एक ऐसे बाजार में एक दूसरे के सामने होंगे जहां अभी इलेक्ट्रिक वाहनों की उपस्थिति कम जरूर है लेकिन वह तेजी से बढ़ रही है।

पिछले साल भारत में बेची गई कुल 42 लाख कारों में से इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी दो फीसदी से भी कम थी लेकिन केंद्र सरकार साल 2030 तक इसे 30 फीसदी तक बढ़ाना चाहती है। सरकार ने स्थानीय स्तर पर बैटरी सहित इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके कलपुर्जों के विनिर्माण करने वाली कंपनियों के लिए प्रोत्साहन के तौर पर पांच अरब डॉलर से ज्यादा का बजट रखा है। भारत में फिलहाल बैटरी विनिर्माण का काम शुरू नहीं हुआ है लेकिन एक्साइड और अमर राजा जैसी कुछ स्थानीय कंपनियों ने देश में लिथियम आयन बैटरी सेल बनाने के लिए चीनी कंपनियों के साथ समझौता किया है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी साझेदार की तलाश कर रही है जिनमें चीनी कंपनियां भी शामिल हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार नए रिकॉर्ड के साथ 683.987 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अगस्त तक 2.299 अरब डॉलर बढ़कर 683.987 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जारी आंकड़ों में बताया गया है कि इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 7.023 अरब डॉलर बढ़कर 681.688 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई के मुताबिक 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.485 अरब डॉलर बढ़कर 599.037 अरब डॉलर हो गईं। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 86.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.859 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 90 लाख डॉलर बढ़कर 18.468 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.622 अरब डॉलर हो गया।

यूएस ओपन : टेलर फ्रिट्ज़ फाइनल में, जननिक सिनर से होगा सामना

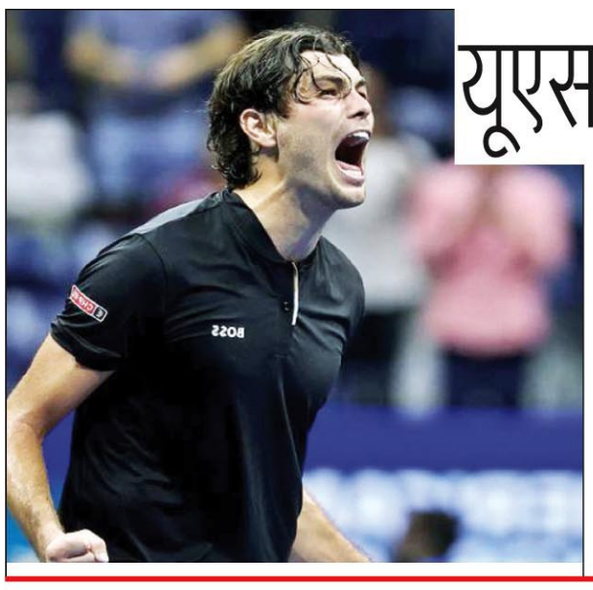

न्यूयॉर्क।
टेलर फ्रिट्ज़ ने शुक्रवार को देर रात यूएस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई जहां रविवार को उनका सामना इटली के शीर्ष वरीयता प्राप्त जननिक सिनर से होगा।

इस जीत के साथ ही फ्रिट्ज़ 15 वर्षों में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी भी बन गए। विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी फ्रिट्ज़ ने 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से जीत हासिल की और फाइनल में जगह बनाई। 26 वर्षीय फ्रिट्ज़ ने जीत हासिल करने के बाद कहा, शुरुआत में उन्होंने मुझे बहुत परेशान किया और मैं थोड़ा घबरा गया था। मैंने खुद से कहा कि मैं इसमें बना रहूँ, सर्विस को बनाए रखूँ और स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाऊँ। मैंने इसमें बने रहने के लिए हर संभव कोशिश की। अगर मैंने ऐसा नहीं किया होता तो मुझे हमेशा इसका पछतावा होता। इससे पहले सिनर ने आर्थर ऐश स्टेडियम में उमस भरी परिस्थितियों पर काबू पाते हुए शुक्रवार को ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 7-6(3), 6-2 से हराकर यूएस ओपन 2024 के फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरे सेट में गिरने के कारण सिनर की कलाई में चोट लग गई थी, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और फाइनल में जगह बनाई। वहीं, ड्रेपर के लिए कुछ भी ठीक नहीं रहा, उन्होंने दूसरे सेट में तीन बार उल्टी की, क्योंकि उन्हें गर्मी और उमस से जूझना पड़ा, जिससे उनकी शर्ट भी पसीने से भीग गई। 10 डबल फॉल्ट भी 22 वर्षीय खिलाड़ी को पहली बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने में मदद नहीं कर पाए।

ओली पोप ने शतकों का अनौखा रिकार्ड बनाया, अलग-अलग टीमों के खिलाफ बनाये सात शतक

द ओवल । इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे ओली पोप ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन शतक लगाने के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड अपने नाम किया है। ओली का ये सातवां शतक है। उन्होंने अपने ये शतक सभी सात अलग अलग टीमों के खिलाफ बनाए हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने श्रीलंका से पहले दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, भारत, वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 शतक लगाये थे। ओली ने अपनी 103 रन की पारी में कुल 13 चौके और 2 छक्के लगाए। इस मैच में बेन डकेट ने भी 86 रनों की पारी खेली पर वह शतक नहीं लगा पाये। उन्होंने अपनी इस पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये। वह मिलन रत्नायके का शिकार बने। इंग्लैंड ने पहले ही ओल्ट ट्रैफर्ड और लार्ड्स पर दो टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

टखने में गंभीर चोट के कारण स्पेन की टीम से बाहर हुए ओयारज़ाबल

मैड्रिड। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के कोच लुइस डे ला फुएंते रविवार को स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ होने वाले यूईएफए नेशंस लीग मुकाबले में रियल सोसिएदाद के फारवर्ड मिकेल ओयारज़ाबल के बिना खेलेंगे, क्योंकि स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) ने पुष्टि की है कि गुरुवार को सर्बिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के दौरान उनका बायां टखना चोटिल हो गया है। ओयारज़ाबल खेल में अंतिम समय में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए और खेल के अंतिम चरण में उन्हें चोट लग गई। शुक्रवार की सुबह स्पेन में वापस परीक्षण के बाद, चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई और ओयारज़ाबल बैसाखी के सहारे आरएफईएफ मुख्यालय छोड़कर सैन सेबेस्टियन लौट गए। ओयारज़ाबल के अलावा उनके क्लब के और भी कई खिलाड़ी चोटिल हैं। क्लब ने गेटाफे में हाल ही में 0-0 से ड्रॉ में डिफेंडर हैमर जुबेल्डिया और हामारी ट्रैओर को खो दिया, ट्रैओर को घुटने की चोट लगी है जो उन्हें पूरे सीजन के लिए बाहर रखेगी। मिडफील्डर ब्राइस मेंडेज उसी खेल में घायल हो गए, जबकि विंगर एंडर बैरेनेटक्सिया पूरे सीजन में अपनी फिटनेस से जूझते रहे, और गर्मियों में आर्सेनल और एटलेटिको मैड्रिड को क्रमशः मिकेल मेरिनो और रॉबिन ले नॉर्मैंड की बिक्री से भी क्लब कमजोर हो गया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में हमें भारत में खेलने के अनुभवों का लाभ मिलेगा : रहमत

ग्रेटर नोएडा । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी सीरीज के अधिकतर मैच भारत में खेले हैं। जिसका लाभ उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में मिलेगा। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 सितंबर सोमवार से यहां एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच खेलना हैं।रहमत अफगानिस्तान की उस टीम में हिस्सा थे जिसने बेंगलुरु में साल 2018 में भारत, देहरादून में साल 2019 में आयरलैंड और साल 2019 में लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। इस क्रिकेटर ने कहा कि उनकी टीम को भारत में खेलने और वहां के हालातों का अच्छा अनुभव है। इसका कारण है कि नोएडा और लखनऊ हमारे घरेलू मैदान रहे हैं। हमने यहां कई मैच खेले हैं और अभ्यास शिविर में भी भाग लिया है। । उन्होंने कहा, 'हम भारत के मौसम और पिच को भी समझते हैं, इसलिए निश्चित रूप से हम फायदे की स्थिति में हैं। शाह टेस्ट और एकदिवसीय में अफगानिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज है और अब उनकी टीम अपने से कहीं बेहतर न्यूजीलैंड को टक्कर देने उत्साहित है।

डीआरएस से बल्लेबाजों को तकनीक सुधारने में सहायता मिलेगी : अश्विन

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि घरेलू क्रिकेट सत्र में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लाने से होने वाला लाभ आने वाले दिनों में दिखने लगेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां दलीप ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र में डीआरएस तकनीक का इस्तेमाल शुरु कर दिया है। अश्विन के अनुसार डीआएस आने से बल्लेबाजों को अपनी तकनीक में सुधार करने में सहायता मिलेगी। अश्विन ने कहा कि दिलीप ट्रॉफी में भारत डी की ओर से खेले रहे बल्लेबाज रिकी भुई की बल्लेबाजी तकनीक की कमजोरी डीआरएस से ही सामने आई। इसमें दिखा कि उन्होंने पैड के पीछे बल्ला रखा जिसके आउट होने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस केवल एलबीडब्लू को लेकर सही फैसले लेने के लिए ही नहीं बल्कि बल्लेबाज की तकनीकी कमी को सामने लायेगा। अश्विन ने कहा, डीआरएस से पहले के दिनों में बल्लेबाजों को एलबीडब्लू की अपील पर संदेह का लाभ मिलता था इसलिए इसलिए उसे नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फ्रंट फुट पर आ जाते थे। वहीं अब अपने बल्ले को पैड के पीछे रखना नुकसान रहेगा। ऐसे में एक ही गलती दोहराने के कारण उसका करियर भी खतरे में आ सकता है। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अश्विन अब बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे।

पेरिस पैरालिंपिक में इतिहास रच स्वदेश लौटे भारतीय पैरालिंपियन, दिल्ली में भव्य स्वागत

नई दिल्ली।
पेरिस पैरालिंपिक में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने के बाद भारतीय पैरालिंपिक एथलीटों का स्वदेश लौटने पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया।

शनिवार की सुबह, पेरिस पैरालिंपिक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय दल के आधे सदस्य स्वदेश लौट आए। अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल, प्रणव सूरमा, राकेश कुमार और मनीष नरवाल उन लोगों में शामिल हैं जो दिल्ली पहुंचे। दिल्ली के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्रित हुए और पैरा-एथलीटों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया।

भारतीय दल के अन्य एथलीट पैरा मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के समापन के बाद वापस लौटेंगे। स्टार इंडिया पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा थी। भारत की स्टार पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा रही।

भारतीय पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने कहा कि उनका पैरालंपिक सफर बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा,यह मेरा पहला पैरालंपिक था और मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन अवनी ने अपना सिलसिला जारी रखते हुए शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। वह खेलों के इतिहास में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं। इसी स्पर्धा में निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता। इस बीच, पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार ने जीत का सारा श्रेय अपने कोचों को दिया।

सेमा ने भारत के लिए जीता 27वां पदक

पेरिस। होकाटो होटोजे सेमा ने शुक्रवार देर रात (स्थानीय समयानुसार) को स्टेड डी फ्रांस में पेरिस 2024 पैरालिंपिक की पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 40 वर्षीय एथलीट ने अपने चौथे प्रयास में 14.65 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए चल रहे पैरालंपिक खेलों में 27वां पदक पक्का किया। नागालैंड के एथलीट ने 14.40 के अपने तीसरे थ्रो के साथ स्टैंडिंग में तीसरा स्थान हासिल किया और चौथे प्रयास में और सुधार किया। दूसरे भारतीय एथलीट सोमन राणा 14.07 के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ पांचवें स्थान पर रहे। अपने प्रयासों के सेट को पूरा करते समय वे स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर थे, लेकिन फिनलैंड के तीजो कूपिका और होटोजे के बेहतर प्रयासों के बाद वे रैंकिंग में नीचे आ गए। होटोजे के थ्रो के सेट को पूरा करने के बाद उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना के पाब्लो डेमियन जिमेनेज और फ्रांस के विटोलियो कावाकावा थे, लेकिन दोनों एथलीट केवल 12.99 का सर्वश्रेष्ठ प्रयास ही कर पाए।

राकेश कुमार और शीतल देवी की भारतीय तीरंदाजी जोड़ी ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में इटली के एलोनोरा सारती और माटेओ बोनासिना पर जीत के साथ मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उन्होंने सोमवार को चल रहे मार्की इवेंट के कांस्य पदक मैच में इतालवी जोड़ी को 156-155 के स्कोर से हराया। चल रहे पैरालिंपिक में भारत ने 27 पदक जीते हैं, जिसमें छह स्वर्ण पदक, नौ रजत पदक और 12 कांस्य पदक शामिल हैं। यह किसी पैरालिंपिक खेल आयोजन में भारत द्वारा जीता गया अब तक का सर्वाधिक स्वर्ण है, जिसने टोक्यो 2020 में जीते गए कुल पांच स्वर्ण को पीछे छोड़ दिया है। विशेष रूप से भारतीय पैरा-एथलीटों ने तीन स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है, जिससे उन्हें कुल 15 पदक मिले हैं।

पीएम ने पदक विजेताओं को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में पदक विजेताओं को पदक जीतने की बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने पदक विजेताओं हरविंदर सिंह, कपिल परमार, प्रणव सूरमा, सचिन सरजेराव खिलारी और धरमबीर को फोन किया और कहा कि उन्होंने पदक जीतकर देश को सबसे बड़ा तोहफा दिया है। साथ ही कहा कि पदक विजेताओं के इस प्रदर्शन से देश भर के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

रॉयल्स ने द्रविड को बनाया मुख्य कोच

मुम्बई।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अब आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के नये मुख्य कोच होंगे। द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। राजस्थान रॉयल्स ने एक बयान जारी कर कहा है कि द्रविड़ उसकी टीम के नये मुख्य कोच होंगे। द्रविड़ ने अपने करियर में रॉयल्स की ओर से खेला है।

इसी को लेकर उत्साहित द्रविड़ ने कहा कि मैं उस फ्रेंचाइजी में लौटकर बेहद खुश हूं, जिसे कुछ साल पहले तक मैं अपना घर कहा करता था। वह साल 2012-2013 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान जबकि साल 2014-15 में मेंटोर रहे थे। वहीं अब करीब 10 साल बाद आईपीएल 2025 के लिए वह एक बार फिर रॉयल्स से जुड़ गए हैं।

अभी यह पता नहीं चला है कि द्रविड़ का कार्यकाल कब तक रहेगा पर माना जा रहा है कि वह कम से कम दो साल तक रॉयल्स के कोच रहेंगे। ये अनुबंध आगे भी बढ़ाया जा सकता है। द्रविड़ की करीब एक दशक के बाद आईपीएल में वापसी हो रही है। साल 2015 में द्रविड़ अंडर-19 टीम के कोच बने थे। इसके बाद 2019 में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) एनसीए प्रमुख रहे थे। वहीं साल 2022 में उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। उनका कार्यकाल टी20 विश्वककप फाइनल के साथ ही समाप्त हो गया था। द्रविड़ ने कहा कि विश्व कप के बाद नया चैलेंज लेने का यह अच्छा अवसर है। राजस्थान रॉयल्स इसके लिए सबसे अच्छी टीम है इस टीम में जितना प्रतिभाएं हैं जो इसे ऊपर ले जा सकती हैं।' रॉयल्स ने कहा कि द्रविड़ की वापसी से टीम को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा।

हॉकी प्रतियोगिता में सहरसा ने सीवान को पराजित किया

सहरसा।
14वीं हॉकी बिहार सब जूनियर मैन स्टेट चैंपियनशिप 6 से 9 सितम्बर 2024 तक सिवान में आयोजित है ।शनिवार को इस प्रतियोगिता में कुल 3 मैच का आयोजन हुआ, जिसमे सहरसा ने दूसरा मैच सिवान के साथ खेला और किसी के होम ग्राउंड में जितना बहुत ही मुस्किल होता है फिर भी सहरसा ने सिवान को उनके ही होम ग्राउंड में 2 - 1 से पराजित किया,जिसमे पहला गोल आदित्य राज और दूसरा गोल सोनू कुमार ने किया। इसी के साथ सहरसा ने विजय हासिल किया। इसमें टीम मैनेजर के रूप में रिशु राज और कोच अंकित कुमार के देख रेख में सहरसा जीत की ओर कदम बढ़ा रही है ।इस बात की जानकारी हॉकी सहरसा के सचिव सुनील कुमार झा को ऑफिसियल के रूप में सिवान में पोस्टेड मो मुस्तकीम ने दिया ।इस सफलता पर हॉकी सहरसा के सचिव ने अध्यक्ष डॉ अजय कुमार सिंह और हॉकी सहरसा के अन्य मेंबर को जानकारी दी। जिसके साथ सभी ने खुशी जाहिर करते हुए सभी खिलाड़ी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

कोहनी की चोट के कारण मार्क वुड साल के बाकी समय के लिए खेल से बाहर

लंदन।
इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड अपनी दाहिनी कोहनी में हड्डी के तनाव की चोट के कारण शेष वर्ष के लिए खेल से बाहर हो गए हैं, जिसके कारण वह पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दौरे पर वहीं जाएंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की विज्ञप्ति के अनुसार, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान अपनी कोहनी में बढ़ती कठोरता और बेचैनी महसूस की थी।

उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में भी खेला था जिसमें उन्हें दाहिनी जांघ में चोट लगी थी। ईसीबी ने कहा कि वुड जांघ की चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें शुरू में गर्मियों के बाकी दिनों से बाहर होना पड़ा था। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, वुड ने खुलासा किया कि जब चोट की गंभीरता का पता चला तो वह वह एक नियमित कोहनी स्कैन के लिए गए थे।

वुड ने अपने पोस्ट में कहा, पहले से ही परेशानी वाली कोहनी की नियमित जांच के दौरान, मुझे यह जानकर झटका लगा कि मेरी दाहिनी कोहनी में कुछ हड्डी का तनाव है। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में मामूली कमर की चोट के बाद, मुझे और मेडिकल टीम को लगा कि मेरी कोहनी की जांच करवाने का यह सही समय है क्योंकि यह थोड़ी जलन वाली थी। मैं इसे हर तेज गेंदबाज को होने वाली सामान्य परेशानियों के कारण मानता हूं और मैं इससे खेल रहा था। मैं विशेष रूप से हैरान हूं क्योंकि मैं टेस्ट क्रिकेट खेल रहा हूं और अपनी गति को बनाए रखा है। उन्होंने कहा, मैं अपनी फिटनेस पर अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत करता हूं, कोच और फिजियो के साथ अतिरिक्त काम करता हूं जिससे यह और भी निराशाजनक हो जाता है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह तेज गेंदबाज होने का हिस्सा है। वुड ने कहा कि उन्हें अगले साल की शुरुआत में फिर से मैदान पर उतरने का भरोसा है। उन्होंने कहा, मैं साल के बाकी बचे दिनों को मिस करूंगा, क्योंकि मुझे आराम करने और खुद को तैयार करने के लिए समय चाहिए, मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं 2025 की शुरुआत में वापस आकर अच्छा प्रदर्शन करूंगा। मैं पहले भी इस रास्ते पर चल चुका हूं और पर्दे के पीछे रहकर कड़ी मेहनत करूंगा। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है और इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है। वुड की अनुपस्थिति में ओली स्टोन ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के लिए खेला जबकि 20 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हल ने ओवल टेस्ट में पदार्पण किया। इंग्लैंड अक्टूबर में तीन टेस्ट के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा और दिसंबर में तीन और टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड जाएगा।

जिम एफ्रो टी10 सीजन-2 में दिखेगा वार्नर, नीशम, विली, ब्रैथवेट और मुनरो का जलवा

हरारे।
क्रिकेट का सबसे तेज और सबसे मनोरंजक फ़ॉर्मेट रोमांचक मुकाबलों के एक और ब्लॉकबस्टर सीज़न के साथ वापस आ गया है। टी10 क्रिकेट का यह आगामी सीज़न बड़ा और बेहतर होने जा रहा है और इसकी शुरुआत हरारे में जिम एफ्रो टी10 के सीज़न 2 के साथ होगी। अगले चार महीनों में, बेहद रोमांचक टी10 फ़ॉर्मेट एशिया, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका में घूमेगा। सीज़न की शुरुआत 21 से 29 सितंबर तक हरारे में जिम एफ्रो टी10 की वापसी के साथ होगी, जिसका प्लेयर्स ड्राफ्ट 8 सितंबर को होगा। जिम एफ्रो में छह फ्रैंचाइज़ी ने ड्राफ्ट में जाने से पहले अपने आइकन और वैश्विक सुपर स्टार को सीधे साइन किया है, ताकि उनके 15-सदस्यीय दल को उनके वैश्विक आइकन के रूप में एक अतिरिक्त 16वें खिलाड़ी के साथ पूरा किया जा सके। टीम में 6 स्थानीय जिम्बाब्वे खिलाड़ी होंगे और आइकन तथा वैश्विक स्टार भी जिम्बाब्वे से हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वार्नर और वेस्टइंडीज

के हार्ड हिटिंग बल्लेबाज कार्लोस ब्रैथवेट को बुलावायो ब्रेव्स जगुआर ने साइन किया है, जबकि केप टाउन सैम्प आर्मी ने इंग्लैंड के डेविड विली और डेविड मलान, अफगानिस्तान के गुलबदीन नैब और कैस अहमद को खरीदा है। डरबन वॉल्व्स ने न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो और मार्क चैपमैन के साथ पाकिस्तान के बाएं हाथ के पावर हिटर शारजील खान और यासिर शाह को टीम में शामिल किया है। इसी तरह हरारे बोल्ट्स ने जेम्स नीशम और जोबर्ग बांग्ला टाइगर्स ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिस लिन को टीम में शामिल किया है।न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स लागोस की बात करें तो इस टीम ने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मजूराबानी को अपने बड़े खिलाड़ियों में से एक चुना है, साथ ही थिसारा परेरा (श्रीलंका), आसिफ अली (पाकिस्तान) को भी टीम में शामिल किया है। जिम एफ्रो टी10 के बाद यूएस मास्टर्स लीग का दूसरा सीज़न, अबू धाबी टी10 और उद्घाटन लंका टी10 दिसंबर में सीज़न का समापन करेगा। जिम्बाब्वे के बाद श्रीलंका टी10 को अपनाने वाला दूसरा आईसीसी पूर्ण सदस्य देश बनने के लिए तैयार है। लंका टी10 तुरंत ही श्रीलंकाई क्रिकेट कैलेंडर पर एक महत्वपूर्ण इवेंट के रूप में खुद को स्थापित कर लेगा, जो खेल के सबसे तेज़ और सबसे रोमांचक प्रारूप को प्रदर्शित करेगा। टी टेन ग्लोबल स्पोर्ट्स के संस्थापक और अध्यक्ष नवाब शाजी उल मुल्क ने कहा, हम एक रोमांचक सीज़न के लिए तैयार हैं, और यह कई कारणों से अतिरिक्त रूप से खास होने जा रहा है। पिछले साल जिम्बाब्वे में मिली शानदार सफलता के बाद उत्साह चरम पर है, और हम हरारे में इसकी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हैं। प्रत्याशा और उत्साह स्पष्ट है, और हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि यह प्रारूप दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों को कैसे आकर्षित करता है।

डायरेक्ट साइनिंग :

हरारे बोल्ट: दासुन शनाका (श्रीलंका: ग्लोबल सुपरस्टार), जेम्स नीशम (न्यूजीलैंड: आइकन), जॉर्ज मुन्से (स्कॉटलैंड), रिशद हुसैन (बांग्लादेश), शेहान जयसूर्या (श्रीलंका), केनर लुईस (वेस्टइंडीज)।

बुलावायो ब्रेव्स जगुआर: डेविड वार्नर (ऑस्ट्रेलिया: आइकॉन), कार्लोस ब्रैथवेट (वेस्टइंडीज), निक हॉब्सन (ऑस्ट्रेलिया), कोबे हर्फ़्ट (ऑस्ट्रेलिया)

डरबन वॉल्व्स: कॉलिन मुनरो (न्यूजीलैंड: ग्लोबल सुपरस्टार), मार्क चैपमैन (न्यूजीलैंड: आइकॉन), विल स्मीड (इंग्लैंड), शारजील खान (पाकिस्तान), मुहम्मद इरफान (पाकिस्तान), यासिर शाह (पाकिस्तान)

केप टाउन सैम्प आर्मी: हैदर अली (पाकिस्तान: ग्लोबल सुपरस्टार), डेविड विली (इंग्लैंड: आइकॉन), डेविड मलान (इंग्लैंड), गुलबदीन नैब (अफगानिस्तान), कैस अहमद (अफगानिस्तान), एडम रॉसिंगटन (इंग्लैंड), शाहनवाज़ दहानी (पाकिस्तान)

एनवाईएस लागोस: ब्लेसिंग मुजरबानी (जिम्बाब्वे: ग्लोबल सुपरस्टार), थिसारा परेरा (श्रीलंका: आइकॉन), आसिफ अली (पाकिस्तान), नजीबुल्लाह जादरान (अफगानिस्तान), बिनुरा फर्नांडो (श्रीलंका), अखिलेश बोगुडम (यूएसए), ओशेन थॉमस (वेस्टइंडीज)।

जो'बर्ग बांग्ला टाइगर्स: क्रिस लिन (ऑस्ट्रेलिया: ग्लोबल सुपरस्टार), कुसल परेरा (श्रीलंका: आइकॉन), चरिथ असलांका (श्रीलंका), हजरतुल्लाह ज़ज़ई (अफगानिस्तान), एडम मिल्ने (न्यूजीलैंड), ल्यूक वुड (इंग्लैंड), करीम जनत (अफगानिस्तान)।

ओटीटी में आने वाली फिल्में आप परिवार और बच्चों के साथ नहीं देख सकते

हेमा मालिनी

रूपहले पर्दे की ड्रीम गर्ल व मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि आज चक्रधर समारोह जैसे बडे आयोजनों की जरूरत है इससे संस्कृति को आगे ले जाने के लिये कलाकारों को मौका मिलता है। वर्तमान में ओटीटी पर आने वाली फिल्में व वेबसीरीज को लेकर भी हेमा मालिनी ने खुलकर कहा कि आजकल इन्हें परिवार के साथ बैठकर नही देख सकते। जब हम ये सब देखते हैं तो बच्चों को कहना पड़ता है कि आप लोग अंदर जायें। उन्हें वर्तमान में कोई अच्छा रोल निभाने का आफर नही मिल रहा है अगर कोई निर्माता उन्हें फिल्म में अच्छे रोल के लिये बुलाता है तो वे काम करने को तैयार हैं। आज चक्रधर समारोह में अपनी प्रस्तुति देने के लिये फिल्म अभिनेत्री व रंगमंच कलाकार हेमा मालिनी रायगढ़ पहुंची थी और पत्रकारों से बातचीत के दौरान उक्त बातें कहीं। रायगढ़ पहुंची ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर कहा कि वे अभी मथुरा से रायगढ़ पहुंची हैं, यह पहली मर्तबा नही कि वह पहले भी चुनाव प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ आ चुकी है। उस वक्त छत्तीसगढ़ में डॉ रमन सिंह मुख्यमंत्री हुआ करते थे, साथ ही साथ छत्तीसगढ़ राज्य की खुलकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ बहुत सुंदर है, यहां की संस्कृति भी बहुत अच्छा है यहां दोनों का मिलन है। ऐसे खुबसूरत जगह में आने से बहुत खुशी मिलती है और यहां के लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया है। पहले इससे पहले भी ऐतिहासिक चक्रधर समारोह में प्रस्तुति दे चुकी है साथ ही साथ मेरी दो बेटियां अहाना और ईशा ने भी यहां अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। यहां दोबारा आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पहले हमने यहां दुर्गा पर आधारित प्रस्तुति दी थी और इस बार हम यहां राधा रास बिहारी पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने कहा कि हम पर जितनी भी बायोग्राफी बनी है उसे आप सभी को पड़ना चाहिए! मैने बचपन से सांस्कृतिक नृत्य की शिक्षा ली है। इस दौरान मेरी माता ने मुझे अलग-अलग गुरूओं के पास से नृत्य की अलग-अलग शैली की शिक्षा दिलाई। इस नृत्य की वजह से ही मै फिल्म में आई और फिल्म में आने के बाद मुझे नही लगा था कि मै इतना नाम बना लूंगी। चर्चा के दौरान उनका कहना था कि आप लोग जब बुलाते हैं तब स्टेज पर परफार्म करती हूं, तब बहुत सारे जनता के साथ मेरा लगाव रहता है। इसलिये मै इसे जारी रखना चाहती हूं। मै अभी कोई भी फिल्म नही कर रही हूं, पहले बहुत कर चुकी है और भी फिल्म करने को तैयार हूं, लेकिन कोई बेहतर रोल मिले तब मै अभी भी फिल्म करूंगी, क्योंकि मै अभी भी कर सकती हूं और करने के काबिल भी हूं। लेकिन नृत्य के साथ अभी भी जुडी हुई हूं। इसके अलावा सांसद बनने का भी अवसर उन्हें मिल चुका है। एक सवाल के जवाब में हेमा मालिनी ने कहा कि आज के छोटे-छोटे बच्चे बहुत बेहतर डांस करते हैं। लेकिन बृज कला, बृज कला संस्कृति जो है वह बहुत सुंदर है। बृज की भाषा और गान के अलावा वहां का नृत्य भी बहुत सुंदर है। इन सब को सम्हाल कर रखना हमारा कर्तव्य है। इसके लिये हमने मथुरा में बृज कलाक्षेत्र क्षेत्र बनाया है। जिसमें सभी को लगातार ट्रेनिंग दिया जाएगा। अपने दस साल के संसदीय कार्यकाल में वहां काफी कुछ विकास हुआ है और पहले से मथुरा और बेहतर हुआ है। फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने यह भी कहा कि आज आपने मुझे यहां बुलाया है, तो जरूर आज समारोह में भीड़ होगी। लेकिन कल से वहां जो भी कार्यक्रम आयोजित होगा, उसमें भी उतना ही भीड़ होना चाहिए। तभी पता चलेगा कि हमारी संस्कृति कितना आगे बढ़ रही है। उन्होंने पत्रकारों के पूछने पर कहा कि वे फिल्म वालों को खराब नही बोल रही हैं, , क्योंकि उसमें उस रोल के हिसाब से उनका फरफार्मेंस होता है। हमारे समय के फिल्म भी बहुत बढ़िया थे, बहुत ही सिंपल और सुंदर थे, कोई भी परिवार के साथ बैठकर देख सकता है। आज कल फिल्म पूरा परिवार साथ बैठकर नही देख सकते। बच्चों को बोलना पड़ता है कि ऐसी फिल्म मत देखो।

माता-पिता बनने से पहले रणवीर-दीपिका ने किए सिद्धिविनायक के दर्शन

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल हैं। दोनों की मुलाकात *रामलीला* के सेट पर हुई थी और 2018 में उन्होंने शादी कर ली। शादी के पिछले छह साल बाद अब इस कपल के घर एक नया मेहमान आने वाला है। हाल ही में रणवीर और दीपिका ने अपना मैटरनिटी फोटोशूट कराया। दीपिका ने पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि वह और रणवीर सितंबर में माता-पिता बनने वाले हैं। दीपवीर किसी भी शुभ कार्य से पहले मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर जाते हैं। जब उनकी शादी हुई तो उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत सिद्धिविनायक के दर्शन से की। अब अपनी दुनिया में नए मेहमान के आने से पहले कपल ने सिद्धिविनायक के दर्शन किए। शनिवार को गणेश चतुर्थी पर रणवीर और दीपिका ने अपने परिवार के साथ सिद्धिविनायक के दर्शन किए। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें दीपिका सोने की कढ़ाई वाली हरे रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं, जबकि रणवीर सिंह सफेद कुर्ते में नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में रणवीर और दीपिका सिद्धिविनायक मंदिर में प्रवेश करते हुए अपने आस-पास के लोगों का अभिवादन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के अंत में रणवीर दीपिका का हाथ पकड़कर उन्हें मंदिर की ओर ले जाते नजर आ रहे हैं। एक अन्य वीडियो में रणवीर और दीपिका सिद्धिविनायक मंदिर में आरती में भाग लेते नजर आ रहे हैं। रणवीर आरती में लीन हैं और तालियां बजा रहे हैं। इस बीच दीपिका हाल ही में फिल्म *कल्कि 2898 एडी* में नजर आईं। वह अजय देवगन के साथ फिल्म *सिंघम अगेन* में भी नजर आएंगी। रणवीर सिंह फिल्म *डॉन 3* में नजर आएंगे।

सेहत का दुश्मन बन सकता है आंखों को लुभाने वाला खाना

रेस्टोरेंट में पहुंचे परिवार के सामने परोसी गई सब्जी और रंग-बिरंगी विदेशी मिठाइयों को देख भले ही उनके चेहरे पर लंबी सी मुस्कान लिपट जाए, मगर सोचिए कि जब यह रंगों और सजावटों से स्वादिष्ट दिख रहा भोजन उनके शरीर में पहुंचेगा तो क्या वाकई उतना ही सेहतमंद साबित होगा? जवाब किसी के पास नहीं। हो भी कैसे, आज के युग में एक नई प्रवृत्ति ने जन्म लिया है- सजावटी भोजन। यानी खाना भले ही स्वाद में कैसा हो, मगर देखने में इतना आकर्षक बना दिया जाता है कि उसे देखकर उसके पीछे छिपे अनहेल्दी इफेक्ट्स की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। बेवजह नहीं कि बाजार में रंग-बिरंगी सब्जियां केमिकल की मदद से तैयार की जा रही हैं। भोजन में इतनी मिलावट है कि वह प्राकृतिक रंगत से कोसों दूर जा रहा है। मेकअप इंसानों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए तो ठीक है, मगर भोजन में फिलहाल मेकअप की जरूरत नजर नहीं आती। आज कई रेस्टोरेंट, कैफे और यहां तक कि घरों में भी भोजन को इस तरह से सजाया जाता है कि वह देखने में आकर्षक लगे। इसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि भोजन एक कलाकृति है जिसे केवल देखने के लिए बनाया गया है, न कि खाने के लिए, लेकिन हमें यह समझना चाहिए कि सजावट के नाम पर हर चीज खाना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता। इस साज-सज्जा की एक बड़ी वजह है स्क्रीन की दुनिया। इंटरनेट मीडिया पर अपने पल-पल के घटनाक्रम को सबके साथ साझा करने की होड़ में सामान्य सा नजर आने वाला भोजन लाइक्स की बौछार नहीं ला पाएगा। इंटरनेट मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी प्लेटफार्मों ने हमारे खाने की आदतों को प्रभावित किया है। यहां भोजन से संबंधित लाखों पेज मौजूद हैं, जो आए दिन भोजन को प्लेट में इस तरह सजाते हुए दिखाते हैं कि वह देखने में अत्यधिक आकर्षक लगे। इसका उद्देश्य होता है कि लोग उसे देखकर प्रभावित हों और इंटरनेट मीडिया पर साझा करें। सजावटी भोजन में अक्सर ऐसी सामग्री का उपयोग किया जाता है जो केवल उसकी सुंदरता बढ़ाने के लिए होती है। जैसे कि खाद्य रंग, नकली चमक, और अन्य कृत्रिम पदार्थ। ये तत्व भोजन को तो आकर्षक बना देते हैं, लेकिन इनमें से कई तत्व हमारे शरीर के लिए हानिकारक हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, खाद्य रंगों का अत्यधिक उपयोग भोजन को रंगीन और सुंदर बनाता है, लेकिन ये रंग हमारे शरीर में जाकर विषाक्त पदार्थों का निर्माण कर सकते हैं। इसके अलावा, कई बार सजावट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तत्व जैसे कि चांदी का वर्क या सोने के पत्ते, जो कि दिखने में तो सुंदर होते हैं, लेकिन उनका कोई वास्तविक पोषण मूल्य नहीं होता और वे शरीर में अवशोषित नहीं होते। सजावटी भोजन, जिसमें अधिक मात्रा में चीनी, तेल, और अन्य हानिकारक तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। स्वाद और पोषण ही किसी भोजन की वास्तविक पहचान होती है। सजावटी भोजन का प्राथमिक उद्देश्य केवल देखने में सुंदर दिखना होता है, जबकि जाहिर है स्वास्थ्यकर भोजन का उद्देश्य शरीर को पोषण प्रदान करना होता है। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, और खनिज तत्व की उचित मात्रा से भरपूर भोजन हमारी सेहत को बेहतर रखने के लिए आवश्यक होते हैं। उदाहरण के लिए पारंपरिक भारतीय भोजन, जिसमें दाल, चावल, रोटी, सब्जी, और दही आदि न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि पोषण से भी भरपूर होते हैं। स्वास्थ्यकर भोजन में स्वाद और संतुलन का ध्यान रखा जाता है। इसमें ताजगी, प्राकृतिक स्वाद और सही मात्रा में मसालों का उपयोग किया जाता है। स्वास्थ्यकर भोजन हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में बेहद फायदेमंद होता

शरीर में जमा एक्सट्रा चर्बी झट से पिघला देगी छोटी सी इलायची

भारतीय किचन में कई सारे मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। ये मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने में काफी मदद करते हैं। सदियों से ये विभिन्न मसाले हमारे जायके को बढ़ाने के साथ ही सेहत को फायदा पहुंचा रहे हैं। इलायची इन्हीं मसालों में से एक है, सदियों से भारतीय रसोई का हिस्सा है। यह अपने अनोखे स्वाद और सुगंध के लिए जानी जाती है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल मीठे व्यंजनों में किया जाता है। हालांकि, कुछ अन्य पकवानों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। बेस्वाद खाने में भी स्वाद भरने वाली इलायची यूं तो कई तरह से सेहत को फायदा पहुंचाती है, लेकिन वजन कम करने में यह काफी असरदार होती है। अगर आप इन दिनों अपना वजन घटाने की कोशिश में लगे हैं या वेट लॉस का कोई आसान तरीका खोज रहे हैं, तो इलायची एक बढ़िया विकल्प है। आइए जानते हैं वेट लॉस (वेट लॉस) में कैसे मददगार है इलायची-

पाचन में सुधार करे : इलायची डाइजेक्टिव जूस और एंजाइम्स के प्रोडक्शन को स्टीमूलेट करके पाचन में सुधार करने में मदद कर सकती है। यह आपके शरीर को भोजन को ज्यादा अच्छे तरीके से तोड़ने और पोषक तत्वों को ज्यादा आसानी से अब्जॉर्ब करने में मदद करता है।

वॉटर रिटेंशन कम करे : इलायची एक प्राकृतिक मूत्रवर्धक है, जिसका मतलब है कि यह आपके शरीर से एक्सट्रा पानी को बाहर निकालने में मदद करता है। साथ ही यह सूजन को कम कर सकता है और वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

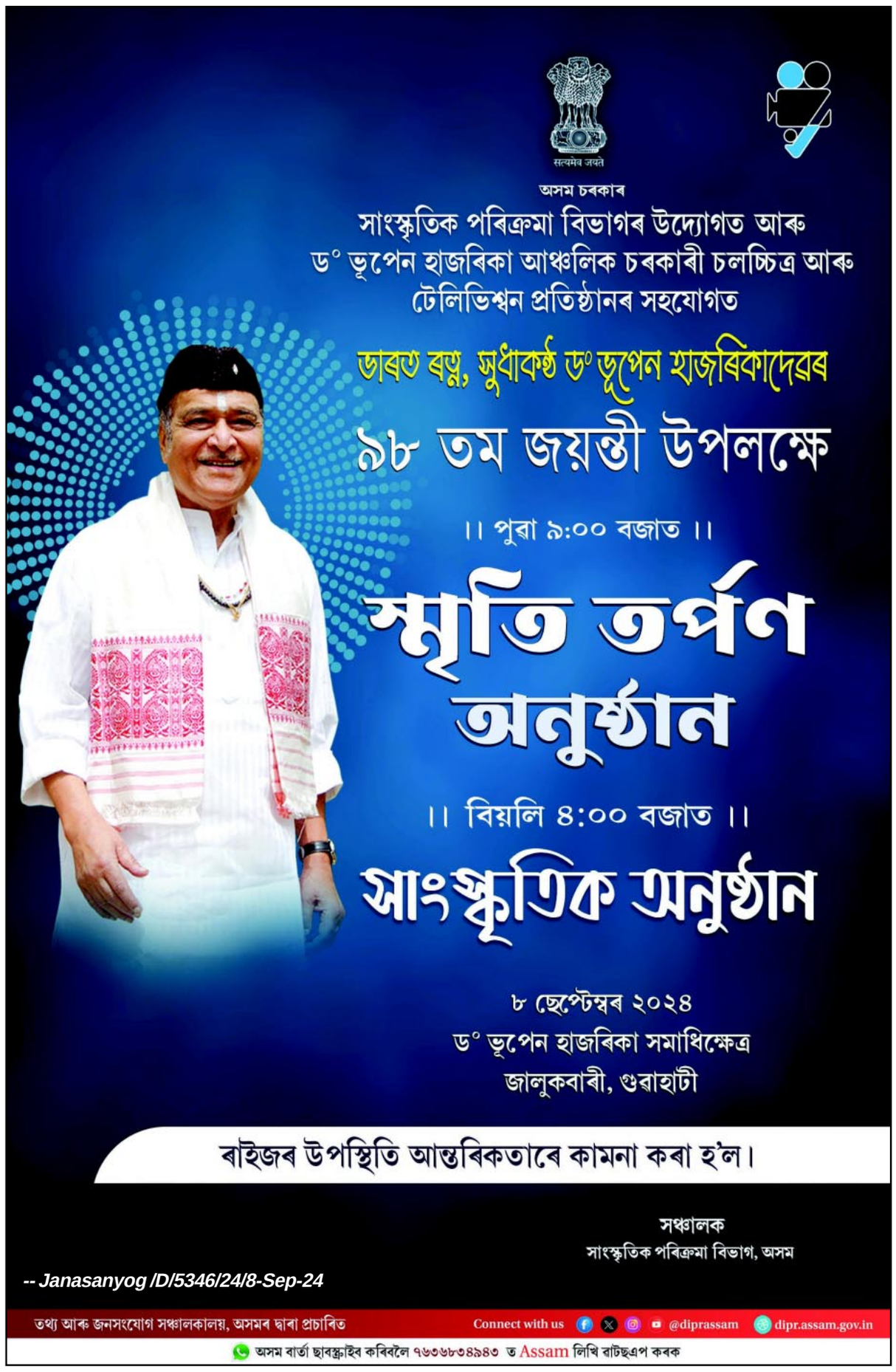

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**